तापमान

अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 28.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार, 14 जुलाई 2024

10 कर्मचारी संघ ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

10 सीएम-शिक्षा मंत्री के नाम बीइओ को सौंपा ज्ञापन

BABA MASTNATH UNIVERSITY

Asthal Bohar, Rohtak-124021 (Haryana)

(Unique Blend of Science and Spirituality)

New Normal 2023 Education Leadership Summit & Awards, New Delhi, 21st-22nd July
Outstanding University in Innovative Teaching and Learning Practices 2023

ADMISSIONS OPEN 2024-25

Get upto 100% Scholarship ★★★

NEP 2020 Syllabus | Internship & Placement Support | Skill Enhancing Courses

PROGRAMMES OFFERED

FACULTY OF ENGINEERING
B.Tech.-Computer Science and Engg.
- -AIML
- -Data Science
- -Cyber Security
- -IOT & Blockchain
- -Comp. Animation & Gaming

B.Tech.-Civil Engg.
- -Transportation Engg.
- -Structural Engg.

B.Tech. (Mechanical Engg.)
B.Tech. (Electronics & Comm. Engg.)
M.Tech. (Computer Science and Engg.)
M.Tech. (Civil Engg.)
- -Transportation Engg.
- -Structural Engg.

FACULTY OF HUMANITIES
B.A. (Bachelor of Arts)
B.A. (Bachelor of Arts) Hons. with Research
B.A. (Bachelor of Arts) English (Hons.)
B.A. J.M.C.
B.A. J.M.C.- Hons. with Research
B.Lib. & Info. Science
Shastri
M.A.-Hindi
M.A.-English
M.A.-History
M.A.-Pol. Sc.
M.A.-Economics
M.A.-Education
M.A.-Sociology
M.A.-Pub. Admin.
M.A.-Geography
M.A.-J.M.C.
M.A.-Sanskrit
M. Lib. & Info. Science
DIPLOMA
- -Leadership & Management
- -Guidance & Counselling
- -Early Childhood Care & Education

FACULTY OF PHARMACY
D. Pharm.
B.Pharm.
M.Pharm.-(Pharmaceutics)
M.Pharm.-(Pharmacology)

FACULTY OF AYURVEDA
BAMS -Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery

FACULTY OF PHYSIOTHERAPY
BPT (Bachelor of Physiotherapy)
B.Sc.-Medical Lab Technology
B.Sc.-Ophthalmic Technology
MPT-Sports
MPT-Neurology
MPT-Orthopaedics
MPT-Cardiothoracic & Pulmonary Disorder

FACULTY OF SCIENCES
B.Sc.-(Hons.) Agriculture
B.Sc.-Mathematics
B.Sc.-Hons. in Mathematics
B.Sc.-Physics
B.Sc.-Hons. in Physics
B.Sc.-Chemistry
B.Sc.-Hons. in Chemistry
B.Sc.-Bio-Technology
B.Sc.-Hons. in Bio-Technology
B.Sc.-Home Science
B.Sc.-Hons. in Home Science
B.Sc.-Physical Sciences
B.Sc.-Physical Sciences with Major Mathematics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Physics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Chemistry
B.Sc.-Life Sciences
B.Sc.-Life Sciences with Major Botany
B.Sc.-Life Sciences with Major Zoology
B.Sc.-Life Sciences with Major Chemistry
M.Sc.-Physics
M.Sc.-Chemistry
M.Sc.-Botany
M.Sc.-Zoology
M.Sc.-Bio-Technology
M.Sc.-Mathematics
M.Sc.-Home Science

FACULTY OF MGT. AND COMM.
BBA
- -Digital Marketing & Sales
- -IT with AI-ML
- -Marketing
- -HR Management
- -Finance
- -International Business
- -Entrepreneurship
- -Hons. With Research

MBA
- -IT with AI-ML
- -Marketing
- -HR Management
- -Finance
- -International Business
- -Entrepreneurship

B.Com
- -General
- -Professional-CA Stream
- -Professional-CS Stream
- -Hons. With Research

M.Com.
BCA
- -General
- -Data Science
- -AI & ML
- -Graphics & Animation

MCA
- -General
- -Data Science
- -AI & ML
- -Graphics & Animation

Newly Introduced Programmes:-
- B.Sc. -(Hons.) Agriculture
- B.Sc. -Medical Lab Technology
- B.Sc. -Optometry

FACULTY OF LAW
B.A. LL.B. - (5 Years Integrated Programme)
LL.B. - (3 Years)
LL.M. - (2 Years)

FACULTY OF NURSING
*ANM - (2 Years)
*GNM - (3 Years)
Post Basic B.Sc. Nursing -(2 Years after GNM)

Ph.D.-Available in All Streams

WHY TO CHOOSE BMU
- ✓ Unique Blend of Science and Spirituality
- ✓ Quality Education at Affordable Fee
- ✓ Multi-disciplinary and Holistic Education
- ✓ Skill Development Programmes
- ✓ Research Projects in UG and PG Programs
- ✓ Innovation, Start-ups and Incubation Centre
- ✓ Indian Knowledge System Courses
- ✓ Office of International Student Affairs
- ✓ Youth Skilling and Competitive Examination Centre
- ✓ Training and Placement Facilities
- ✓ UNO Academic Impact Membership

SALIENT FEATURES
- » Wi-fi Campus
- » 24x7 Electricity
- » Well stocked Libraries
- » Well equipped Laboratories
- » Separate Hostel for Boys/Girls
- » Air-Conditioned Auditorium
- » NCC, NSS, & Youth Red Cross Units
- » Hospitals having modern Equipments
- » CCTV Enabled Safe & Secure Campus

Scan to visit website

ESCORTS | sona | CAPARO FASTENERS | HNG | TATA CONSULTANCY SERVICES | SURYA | भारतीय सेना | Infosys | HCL | MARUTI SUZUKI

+91-9053066636, 8683888830/31/32 || www.bmu.ac.in

खबर संक्षेप

वरिष्ठ नागरिक परिषद् का चुनाव 27 अगस्त को

जींद। वरिष्ठ नागरिक परिषद् कार्यकारिणी की मासिक बैठक सैक्टर-7 में आयोजित की गई। महासचिव चंद्रप्रकाश मलिक ने बताया कि सभा में सर्वसम्मति से प्रीतम सिंह बेनीवाल को नए प्रधान का चुनाव करवाने के लिए रिटर्निंग अधिकारी की जम्मिवारी दी गई। प्रीतम सिंह बेनीवाल ने बताया कि कार्यकारिणी के प्रधान पद का चुनाव 27 अगस्त को होगा।

दो भाइयों को किया घायल पांच के खिलाफ केस दर्ज

जींद। गांव घोघडिया में महिलाओं के बीच हुई कहासुनी के चलते हमला कर दो भाइयों को घायल करने पर उचाना थाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव घोघडिय़ा निवासी वक्किी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी तथा पड़ोसी अशोक की पत्नी के बीच कहासुनी हो गई थी। वह बाइक लेकर गली से गुजर रहा था।

मेरी आवाज मेरी पहचान के लिए आवेदन आमंत्रित

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा द्वारा सुरमयी शामए मेरी आवाज मेरी पहचान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिला के कलाकार कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए नाम, पता तथा मोबाइल नंबर के साथ ईमेल आईडी चरलएफेयर्सएचआरवाई एटदीरेट जीमेल डॉट कॉम पर 15 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। बताया कि आवेदक का हरियाणा का मूल निवासी होना चाहिए।

दूसरों के अनुभव से सीख लेना समझदारी : शर्मा

उचाना। पुरानी अनाज मंडी स्थित महाराजा अग्रसेन मंदिर पुजारी अशोक शर्मा ने कहा कि दूसरों के अनुभव से सीख कर सबक लेना ही समझदारी होती है। अनुभव से हमें सीख मिलती है। अनुभव हमें आगे बढऩे में कारगार साबित होता है। इसलिए बुजुर्गों लोग कहते थे कि जैस संगत वैसे शोभा। जिसके पास बैठेंगे वैसे ही हमारे अंदर गुण आएंगे। अच्छे के पास बैठेंगे तो अच्छे विचार मन में आएंगे।

पौधे लगाने से पर्यावरण शुद्ध : हरदीप कंडेला

जींद। युवा मंडल कंडेला द्वारा शनिवार को गांव में पौधरोपण किया गया। इस दौरान युवा मंडल कंडेला सदस्यों ने सैंकड़ों पौधे लगाए। युवा मंडल के प्रधान हरदीप कंडेला ने कहा कि पौधे लगाने से पर्यावरण शुद्ध रहता है और बहुत सी बीमारियां कम होती हैं। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने चाहिए। युवा मंडल कंडेला के उप प्रधान राकेश कंडेला ने कहा कि पेड़ पौधों से ही हमें ऑक्सीजन मिलती है।

नि:शुल्क योग शिविर में साधकों को बताए लाभ

उचाना। शहर के आर्य समाज परिसर में चल रहे नि:शुल्क योग शिविर में योग साधकों को योग के फायदों के बारे में बताया गया। योगाचार्य महेंद्र खापड़ ने कहा कि योग से हर बीमारी का उपचार संभव है। योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है तो मानसिक रूप से इंसान मजबूत होता है।

नाबालिग का अपहरण करने का प्रयास, केस

जींद। जुलाना थाना इलाका गांव से नाबालिग लड़की को जबरन साथ ले जाने की कोशिश करने पर जुलाना थाना पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ विभिन भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जुलाना थाना इलाका गांव की एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत पांच जुलाई को गांव का ही सोहित तथा उसकी बुआ का लड़का उसकी नाबालिग बेटी को जबरन बाइक पर बैठा कर गलत मंशा से ले जा रहे थे।

स्वास्थ्यकर्मियों ने पौधरोपण किया

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरियावाला के तहत उपस्वास्थ्य केंद्र ईक्कस पर स्वास्थ्यकर्मियों ने पौधारोपण किया गया व ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। मपीएचडब्ल्यू दिनेश ने कहा कि शुद्ध वातावरण के लिए ज्यादा से पौधों का होना बहुत जरूरी है।

चिकित्सकों ने कल की हड़ताल को लेकर बनाई रणनीति

मांगों पर सहमति के बावजूद पूरी न करने पर जताया रोष

आपसी सहमति के बाद डाक्टरों ने छह महीने पहले अपना आंदोलन स्थगित कर दिया था

जींद। नागरिक अस्पताल में रोष जताते चिकित्सक। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन (एचसीएमएस) के आह्वान पर शनिवार को चिकत्सिक जिला प्रधान डा. बिजेंद्र ढांडा की अध्यक्षता में नागरिक अस्पताल में एकत्रित हुए और रोष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में डा. रघुवीर पूनिया, डा. संकल्प, डा. विनिता, डा. संतलाल, डा. राजेश भोला सहित अन्य चिकत्सिक मौजूद रहे और 15 जुलाई सोमवार को 11 बजे तक की जाने वाली हडताल को लेकर रणनीति बनाई। जिला प्रधान डा. विजेंद्र ढांडा ने कहा कि एचसीएमएस एसोसिएशन की राज्य कोर समिति की बैठक हुई थी। सरकार और एचसीएमएस एसो. के बीच आपसी सहमति के बाद डाक्टरों ने छह महीने पहले अपना आंदोलन स्थगित कर दिया था लेकिन आजतक मानी गई मांगें पूरी नहीं हो पाई हैं। स्पेशलस्टि कॉडर, पीजी कोर्स के बांड में कमी, एसएमओ की सीधी भर्ती रोकने और केंद्रीय डाक्टरों के समान एसीपी भत्तों की मांग पूरी नहीं होने पर डाक्टरों में नाराजगी बढ़ी है।

निदेशक के आठ पदों में से पांच पद खाली

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि छह महीने बाद भी मांगों पर एसएमओ की सीधी भर्ती रोकने और केंद्रीय सरकारी डाक्टरों के समान एसीपी भत्तों की नहीं होने पर बढ़ी नाराजगी पर स्थिति आज भी जस की तस है। डप्टिी एमएस डा. राजेश भोला, डा. संदीप लोहान ने कहा कि मेडिकल आफिसर के 3900 पदों में से 1100, एसएमओ के 636 पदों में से 250 पद और निदेशक के आठ पदों में से पांच पद खाली हैं। राज्य के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञों की भारी कमी है लेकिन स्पेशलस्टि कॉडर का प्रस्ताव वत्ति विभाग में पिछले चार महीने से अटका हुआ है। पीजी बॉड की राशि में कमी का प्रस्ताव भी छह महीने से लंबित है। डॉक्टरों (एमओ) से (एसएमओ) के नियमित पदोन्नति की फाइल भी पिछले डेढ़ साल से देरी से चल रही है। जो डॉक्टर 2002 में एमओ के रूप में शामिल हुए थे, वे अभी भी पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। यह वास्तव में दुखद है कि डाक्टर (कक्षा 1 अधिकारी) बुनियादी मुद्दों जैसे नियमित पदोन्नति, एसीपी, प्रोबेशन क्लीयरेंस आदि के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उनका शोषण हो रहा है। बैठक में नर्णिय लिया गया कि एचसीएमएस एसोसिएशन अब स्वास्थ्य सुधार आंदोलन शुरू करेगी ताकि इन मुख्य मुद्दों को उजागर किया जा सके। इसी के रोष स्वरूप सरकारी अस्पतालों के चिकत्सिक सुबह 11 बजे तक ओपीडी न कर रोष जताएंगे।

500 विद्यार्थियों का रक्त जांचा

- राजकीय कन्या वरष्ठि माध्यमिक विद्यालय नगूरां समेत पीएचसी के अधीन विभन्नि गांवों में चलाया अभियान

जींद। नगूरां गांव के राजकीय कन्या वरष्ठि माध्यमिक विद्यालय में बच्चों के खून की जांच करती स्वास्थ्य विभाग की टीम। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अलेवा

पीएचसी नगूरां की टीम ने एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत नगूरां के राजकीय कन्या वरष्ठि माध्यमिक वद्यिालय तथा दल्लिूवाला, चांदपुर, शाहपुर, रायचंदवाला आदि गांवों में 500 लोगों के खून की जांच की। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा ने की।

स्कूली बच्चों तथा लोगों को एनीमिया के लक्षण बताते हुए स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा ने कहा कि जिस व्यक्ति में कमजोरी, थकान, त्वचा का रंग सफेद या पीला पडऩा, दिल की धड़कन अनियमित होना, चक्कर आना, हाथ पैर ठंडे होना, सिर दर्द, छाती आदि में दर्द है तो व्यक्ति को एनीमिया हैं। स्वस्थ आदमी में खून की मात्रा 14 से 16 ग्राम तथा महिलाओं में 12 से 14 ग्राम होनी चाहिए। व्यक्ति को खून की मात्रा को बढाने के लिए हरी पत्तेदार सब्जियां, पालक, तोरी, घीया, पीले फल, गुड़ चने का सेवन करना चाहिए।

जींद। छात्र परिषद चुनाव में जीते आर्यन, अंजू। फोटो :हरिभूमि

शिक्षा भारती ग्लोबल स्कूल में छात्र चुनाव में आर्यन- अंजू जीते

उचाना। शक्षिा भारती ग्लोबल स्कूल बुडायन में छात्र परिषद चुनाव आयोजित किए। चुनाव में छात्र परिषद के प्रतष्ठिति पदों के लिए 11 उम्मीदवारों ने भाग लिया। आर्यन, अंजू ने जीत दर्ज की। 11 उम्मीदवारों ने एक गतिशील अभियान अवधि में भाग लिया। स्कूल के माहौल को बेहतर बनाने के लिए अपने दृष्टिकोण और योजनाएं प्रस्तुत कीं। छात्र परिषद के नवनर्विाचित सदस्यों के रूप में आर्यन, अंजू छात्र कल्याण परिषद के भीतर महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाएंगे। यह परिषद जो स्कूल प्रबंधन और अन्य टीम सदस्यों के साथ मिलकर काम करती है। संस्था प्रबंधक कुलदीप, चेयरमैन राजबीर सिंह ने कहा कि शक्षिा भारती ग्लोबल स्कूल में छात्र परिषद के चुनावों ने न केवल स्कूल के भीतर लोकतांत्रिक भावना को उजागर किया बल्कि सकारात्मक बदलाव लाने में छात्र नेतृत्व के महत्व को भी रेखांकित किया। इस मौके पर अमन, अक्षय ज्योति पूनिया मौजूद रही।

नाबालिग की शादी करवाने पर केस

जींद। नाबालिग की शादी कराने पर संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी पानीपत की शिकायत पर शहर थाना सफीदों पुलिस ने पति समेत तीन लोगों के खिलाफ विभन्नि भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पानीपत की संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी रजनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि पानीपत की कृष्ण कालोनी निवासी कैलाशो ने उसके पास रह रही नाबालिग लड़की की शादी अपने बेटे के साले गाव बीबीपुर निवासी सोनू से सात जुलाई 2023 को करवा दी है। जो कानून जुर्म है। विभाग ने जाच को आगे बढाया तो सामने आया कि शादी का खर्च कैलाशो द्वारा उठाया गया है।

पानी निकासी व्यवस्था की मांग को लेकर ग्रामीणों ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जींद। निकासी व्यवस्था की मांग को लेकर रोष प्रकट करते ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

गांव जैजैवंती में बरसाती पानी की निकासी नही होने से ग्रामीणों को काफी परेशानियों से होकर गुजरना पड़ रहा है। निकासी व्यवस्था की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए रोष प्रकट किया। कुलदीप , आजाद सिंह, राजेश कुमार, पिंकी, दीपक, सावत्रिी देवी, शुकंतला आदि ने बताया कि गांव से गंदे पानी का कोई भी स्थाई समाधान नही है। जिसके चलते ग्रामीणों को काफी परेशानियों से होकर गुजरना पड़ रहा है। बरसात के मौसम में ग्रामीणों का मंदिर और खेतों में जाने का रास्ता बंद हो जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि गंदे पानी को करसोला माइनर में डाला जाता है। इसी माइनर से गांव में पेयजल सप्लाई होता है। जिससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। बीडीपीओ प्रतीक कुमार ने बताया कि अभी तक कोई भी शिकायत नही आई है। अगर निकासी व्यवस्था की समस्या है तो तुरंत मौके पर कर्मचारियों को भेजकर समाधान करवाया जाएगा।

प्रदीप भारद्वाज चौथी बार प्रधान मनोनित

जींद। पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में डप्लिोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन हरियाणा सन 1912 में कनष्ठि अभियंता व एसडीओ द्वारा जींद जोन में सर्वसम्मती से एसोसिएशन का इलेक्शन कराया गया। इसमें जींद के सभी विभागों के अभियंताओं ने भाग लिया। इसमें सर्वसम्मति से चतुर्थ बार प्रदीप भारद्वाज को प्रधान चुना गया व उपप्रधान पुनित, जनरल सेक्रेटरी, कैशियर मोनू विकास, लेखा परीक्षक नरजीत, सलाहकार राजाराम चुने गए। ब्रांच सेक्रेटरी सिंचाई विभाग से रवद्रिं भूरा, पब्लिक हेल्थ से महेश शर्मा, मार्केटिंग बोर्ड से संदीप चहल, पीडब्ल्यूडी से कपिल, रोहित व डीटीपी को चुना गया। चुनाव के समय विभन्नि विभागों के जींद, सफीदों, जुलाना, नरवाना के एसडीओ व कनष्ठि अभियंता व नरवाना सब जोन की उपप्रधान रितु सहारण मौजूद रहे। जिसमें मुख्य रूप से छत्रपाल सिंह, राजकुमार, अक्षय लाठर, मनीस, मनोज ने भाग लिया।

बेरोजगारी से युवा पलायन को मजबूर

- जींद के लिए लडेंगें आर-पार की लडाई : वृंदा शर्मा

जींद। संपर्क अभियान चलाए हुए वृंदा शर्मा। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मध्य उत्तरी हरियाणा विकास संगठन का जनसंवाद कार्यक्रम मेन बाजार में आयोजित किया गया। जिसमें दुकान-दुकान जाकर प्रत्येक व्यक्ति से मिल कर अपने विचारों को सांझा किया गया। इस कार्यक्रम में मध्य उत्तरी हरियाणा विकास संगठन की युवा अध्यक्ष वृंदा शर्मा ने कहा कि जींद हरियाणा के मध्य में स्थित है। इसके बावजूद जींद के विकास की तरफ किसी ने ध्यान नही दिया। उन्होंने कहा कि जींद केवल रैली स्थल बन कर रह गया है। जींद में न तो उद्योग लगवाए गए और न ही जींद में कोई पर्यटन स्थल बनवाया गया है। उन्होंने कहा कि यदि जींद में उद्योगों की कमी के कारण जींद के युवाओं को रोजगार नही मिल रहा, उन्हें रोजगार के लिए बड़े शहरों में जाना पड़ता है। पढा-लिखा युवा पलायन को मजबूर हो चुका है। वृंदा शर्मा ने कहा कि अब जींद केवल रैली स्थल बन कर नही रहेगा। जींद का युवा अब जाग चुका है। अब वह अन्याय नही सहेगा। उन्होंने कहा कि अब हम सब मिल कर जींद के विकास के लिए आर-पार की लड़ाई लडेंगें तथा जींद का विकास करवाकर ही दम लेगें। इस अवसर पर राजबीर श्योराण, महेश जिंदल, सतीश जिंदल, विजय मान, नौरंग मान, कुलदीप मौजूद रहे।

जींद। फायर करते हुए कैडेट्स। फोटो :हरिभूमि

पुलिस ने लाइन में कैडेट्स से करवाई फायरिंग

जींद। 15 हरियाणा एनसीसी बटालियन द्वारा आयोजित कैंप के छठे दिन सभी सीनियर डिवीजन एनसीसी कैडेट्स को और अधिकारियों को पुलिस लाइन एरिया में ले जाया गया और उनसे फायरिंग करवाई गई। तत्पश्चात सीआरएसयू के योगा हाल में सभी कंपनियों की क्विज प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें लेफ्टिनेंट पंकज ने सभी प्रतिभागियों से एनसीसी और सामान्य ज्ञान विषय पर प्रश्न पूछे। ब्रावो कंपनी ने सर्वाधिक प्रश्नों का सही उत्तर देकर प्रथम स्थान हासिल किया। सभी विजेता कंपनियों को कर्नल जगजोत ने सम्मानित किया।

एनसीसी केयरटेकर ट्रेनिंग में एनसीसी अधिकारी नंद लाल ने एनसीसी एक्ट और रूल्स के बारे में जानकारी दी। आर्मी रक्रिूटमेंट ऑफिस हस्सिार से कर्नल सावंत ने शिरकत की और केडेट्स को आर्मी में ऑफिसर केडर की भर्तियों के बारे में जानकारी दी और उन्हें प्रोत्साहित किया।

सेवा पखवाड़े के तहत भाविप ने गोशाला में की गोमाता की सेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

भाविप पदाधिकारियों को सम्मानित करते गोशाला के पदाधिकारीगण।

भारत विकास परिषद सफीदों शाखा द्वारा प्रधान डा. नरेश वर्मा की अध्यक्षता में सेवा व संस्कार पखवाड़े के नगर की स्वामी गौरक्षानंद गौशाला में गौमाता की सेवा की गई। वहीं इस अवसर पर सुरेश कौशिक ने अपना जन्मदिन व राजेन्द्र प्रसाद (नक्किा) व सरिता ने अपनी शादी की वर्षगांठ मनाई। दोनों परिवारों ने गौशाला में परिवार व परिषद के सदस्यों के साथ साथ केक काटा और हरे चारे व गुड़ की सवामणी लगाई। गौशाला की ओर से गौशाला के अध्यक्ष पालेराम राठी, रामेश्वर दास गुप्ता व मा. रणधीर सिंह सैनी ने दोनों परिवारों को सम्मानित किया। अपने संबोधन में भाविप अध्यक्ष नरेश वर्मा ने कहा कि दोनों परिवार बड़े ही भाग्यशाली हैं जो गौमाता के चरणों में अपनी-अपनी खुशियां मना रहे हैं। गौसेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है। गौमाता में 33 करोड़ देवी-देवता निवास करते हैं। गौमाता अपने आप चलता फिरता डाक्टर होती है। गाय के पंचगव्य में औषधीय गुण पाए जाते हैं। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे अपने जीवन के हर खुशी के पलों को गौसेवा करके मनाएं।

जींद। कच्चे रास्ते में तबदील बड़ौदा हैफेड गोदाम को जाने वाला रास्ता।

बारिश के मौसम में कीचड़ से लोग परेशान

उचाना। बड़ौदा में हैफेड गोदाम की तरफ जाने वाला रास्ता कीचड़ में तबदील होने के चलते गोदाम में आने वाले लोडिंग, अनलोडिंग वाहन चालकों के साथ-साथ ग्रामीणों, राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। फसल के सीजन में जब गोदाम में बैगों के लोडिंग वाहन आते है तो कई बार वाहन कीचड़ में फंस जाते है। इस रास्ते को पक्का कराने की मांग वाहन चालक, ग्रामीण करते आ रहे है। मेन सड़क से गोदाम तक रास्ता कच्चा है। बारिश के दिनों में तो यहां पर पैदल जाना मुश्किल हो जाता है। अजमेर, राजा, सुनील ने कहा कि फसल के सीजन में सबसे अधिक परेशानी होती है क्योंकि गोदाम में लोडिंग, अनलोडिंग वाहनों का आवागमन रहता है। कई बार तो यहां पर कीचड़ अधिक होने से वाहन के पलटने तक का डर रहता है। कई सालों से रास्ते को पक्का करने की मांग करते आ रहे है। यहां से आने-जाने वालों को भी परेशानी होती है। रास्ते को पक्का करने से समस्या का समाधान होगा।

मोतीलाल नेहरू स्कूल में किया अलंकरण समारोह का आयोजन

दायित्वों का निर्वाह करने के लिए प्रोत्साहित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। अलंकरण समारोह में चुने गए हेड ब्वाय व गर्ल। फोटो :हरिभूमि

मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल के प्रांगण में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में दूसरी कक्षा से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों ने भाग लिया। हेड ब्वाय, हेड गर्ल, हाउस कैप्टन, हाउस स्पोर्ट्स कैप्टन, हाउस कल्चरल कैप्टन, इको क्लब कैप्टन, एनएसएस कैप्टन को नियुक्त किया गया। इसके अलावा हाउस वॉइज कैप्टन, स्पोर्ट्स वाइस कैप्टन, कल्चरल वाइस कैप्टन, इको क्लब वाइस कैप्टन, एनएसएस वाइस कैप्टन भी नियुक्त किए गए। समारोह का आयोजन प्रबंध समिति के अध्यक्ष संदीप दहिया और वद्यिालय के प्राचार्य रवद्रिं कुमार ने दीप प्रज्वलित द्वारा किया। इस अवसर पर छात्र परिषद के नर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलवाई गई कि अपने नर्धारित कर्तव्यों का सत्यनष्ठिा के साथ पालन करेंगे। नवचयनित छात्रों ने भी अपनी कृतज्ञता अभव्यिक्त करते हुए कर्तव्यों को पूर्ण नष्ठिा के साथ निभाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। प्रबंध समिति के अध्यक्ष संदीप दहिया ने छात्रों से कहा कि अलंकरण समारोह एक महत्वपूर्ण अवसर है। क्योंकि यह उन्हें एक ही समय में शक्तिशाली और देखभाल करने का आजीवन कौशल सिखाता है। आप देश के भवष्यि हैं और बच्चों को चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वद्यिालय के प्राचार्य रवद्रिं कुमार ने छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें अपने दायत्वों का नर्विाह करने के लिए प्रोत्साहित किया और छात्रों को समझाया कि वे अपने पद की गरिमा वद्यिालय के मान-सम्मान, अनुशासन और गौरव को बढ़ाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहें।

जींद। नरेश जागलान को स्मृति चिंह देते हुए स्कूल स्टाफ। फोटो :हरिभूमि

अध्यापकों की प्रेरणा से ही काबिलियत : नरेश जागलान

जींद। शक्षिण कार्य को प्रभावी व रुचिकर बनाने हेतु स्मार्ट किड प्राइमरी स्कूल सेक्टर 11 में एक दिवसीय आर्ट ऑफ टीचिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान ने अध्यापक गण को विभन्नि शक्षिण पद्धतियों अवगत करवाया। जिनसे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने आदर्श शक्षिकों में विराजमान गुणों का व्याख्यान किया। शक्षिक ही बच्चों में यकीन पैदा करते हैंए इरादे पैदा भरते हैं, ऊर्जा भरते हैं, जिंदगी के सफर को आसान करते हैं। जिससे बच्चों की राहों में रोशनी आती है तथा शक्षिक ही बच्चों के हूनर को पहचान कर पढऩे की प्यास व तलाक पैदा करते हैं। काबिल अध्यापक ही बच्चों के हुनर को पहचान कर ख्वाब जगाता है, जुनून भरता है और बेहतर व काबिल इंसान बनाता है। नरेश जागलान ने बताया कि परमात्मा और मां के बाद अगर किसी में सृजन की ताकत है तो वह केवल शक्षिक ही हैए जो अध्यापक ज्ञान को तोहफे की तरह बांटता है।

खबर संक्षेप

बीएलओ मतदान केन्द्रों पर दावे निपटाए

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आदेशों की पालना के तहत मतदाता सूची संशोधन का कार्य किया जा रहा है। इसको लेकर मतदान केन्द्रों पर 27 जुलाई, 28 जुलाई, 3 अगस्त व 4 अगस्त को सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) प्रातः 9 बजे से सांय 5 बजे तक उपस्थित रहकर दावे तथा आपत्तियां प्राप्त करेंगे। बीएलओ की वेरिफिकेशन रिपोर्ट के आधार पर मतदाता सूचियों की त्रुटियों में सुधार का कार्य किया जा रहा है।

मेरी आवाज मेरी पहचान के लिए 15 तक करें आवेदन

कैथल। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग हरियाणा द्वारा सुरमयी शाम, मेरी आवाज मेरी पहचान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश के कलाकार कार्यक्रम में सहभागिता करने के लिए 15 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। डीआईपीआरओ कृष्ण कुमार ने कार्यक्रम के तहत निर्धारित मानदंडों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक प्रार्थी नाम, पता तथा मोबाइल नं. के साथ पर आवेदन कर सकते हैं।

16 जुलाई तक बरसात की संभावना

कैथल। शनिवार को कैथल का मौसम परिवर्तनशील रहा। सुबह के समय आसमान में बादल तो छाए, लेकिन बारिश नहीं हुई। कई बार काली घटा भी छाई, लेकिन हवाओं के चलते बादल छंट गए और बारिश भी नहीं हुई। गौरतलब है कि अभी तक जिले में धान की फसलों के लिए पर्याप्त मात्रा में बारिश नहीं हुई है। जिससे किसान बारिश का इंतजार कर रहे हैं। किसानों का मानना है कि अभी तक उनकी उम्मीद के मुताबिक बारिश नहीं हो पाई है।

बाबा रोड़ा मेला की तैयारियां जोरों पर

राजौंद। निकटवर्ती गांव दुड़ाना में स्थित बाबा रोड़ा के धार्मिक स्थल पर 18 जुलाई को लगने वाले विशाल मेले की तैयारियां जोरों पर है। गांव में 16 जुलाई को बाबा रोड़ा के स्थान पर अखंड पाठ का शुभारंभ होगा। लगातार लग रहे इस मेले में दूरदराज से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर बाबा रोड़ा के स्थान पर मत्था टेककर मन्नतें मांगते हैं। कमेटी ग्रामीण बलविंद्र सिंह, रिछपाल सिंह, गुरचरण सिंह आदि मौजूद रहे।

कैथल के गांवों में सांसद नवीन जिंदल ने कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया

कैथल में 1000 करोड़ की लागत से मेडिकल कॉलेज किया जा रहा तैयार

नवीन जिंदल ने कहा कि किसी भी चीज को बनाना बहुत आसान है। लेकिन उसे मेंटेन रखने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है।

कैथल। सांसद नवीन जिंदल गांवों का दौरा करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि सबका साथ सबका विकास के लक्ष्य के तहत कैथल जिला में सरकार की ओर से 1000 करोड रुपए की लागत से मेडिकल कॉलेज तैयार किया जा रहा है। इससे यहां युवाओं को रोजगार मिलने के साथ-साथ बच्चों खासकर बेटियों को मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने का अवसर मिलेगा। इस उपलब्धि का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधायक लीलाराम को जाता है, जन्हिोंने यहां की जरूरत को समझा और उसे पूरा करने के प्रयास किए। सांसद नवीन जिंदल भाजपा विधायक लीलाराम के साथ गांव मुंदड़ी, सांपन खेड़ी, ग्योंग, कठवाड़, दयोरा, जसवंती, नौच और बलवंती में आयोजित कार्यक्रमों में जनता से संवाद कर रहे थे। इस दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि किसी भी चीज को बनाना बहुत आसान है। लेकिन उसे मेंटेन रखने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए उनका सभी से आह्वान है कि गांव में सरकार द्वारा जो भी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है।

विधायक लीलाराम ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी कर्मठ ईमानदार और मिलनसार व्यक्तत्वि के धनी है । देश व प्रदेश में सभी वर्गों के उत्थान के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अवसर पर मनीष कठवाड, राव सुरेंद्र सिंह, राजपाल तंवर, सुरेश नौच, रामप्रताप गुप्ता, कृष्ण बंसल, मुकेश जैन, रामस्वरूप जिंदल,सुरेश तंवर, जसबीर सरपंच, उषा मचल, रामदिया यादव, एनडी गोयल जय भगवान शर्मा, सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र सिंह, सरपंच वक्रिम सिंह,नसीब ककहेड़ी, सतीश पूर्व सरपंच, जगा राम सैनी, राज रमन दीक्षित, रामस्वरूप, संदीप ढुल, रामकुमार नैन, कुशलपाल, अमरजीत छाबड़ा, नरेश मत्तिल आदि मौजूद रहे।

कैथल। सांसद नवीन जिंदल से मिलते पूर्व सैनिक। फोटो : हरिभूमि

पूर्व सैनिकों ने जिंदल से की बातचीत : फौजी

कैथल । पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन जिला कैथल का प्रतिनिधि मंडल एसोसिएशन प्रधान जगजीत फौजी की अध्यक्षता में कुरुक्षेत्र सांसद नवीन जिंदल से उनके द्वारा किए जा रहे धन्यवादी दौरो में गांव मुंदड़ी के लव कुश तीर्थ पर भेंट वार्ता की। पहले नवीन जिंदल को कुरुक्षेत्र के सांसद बनने पर शुभकामनाएं दी और उसके साथ जिला कैथल की एक बहुत ही पुरानी जो पूर्व सैनिकों की समस्या है उस बारे विचार विमर्श किया। सांसद को लिखित में दिया कि कैथल के हुड्डा सेक्टर 19 के अंदर जिला सैनिक बोर्ड व ई सी एच एस पॉलीक्लिनिक के साथ में जिस समय पर सेक्टर 19 अस्तित्व में आया। उसी समय से चिन्हित की हुई 588 स्क्वायर मीटर जगह गोल्डन लाइंस सी एस डी कैंटीन के लिए है। ये जगह अभी तक खाली है इस बारे पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल ने सांसद को पूरा जोर देते हुए कहा कि हमारे बुजुर्ग पूर्व सैनिक, वृद्ध वीरांगनाएं , सैनिकों की बुजुर्ग विधवाएं ,उनके परिवार और देश के लिए जिन सैनिकों ने अपने शरीर के अंग बलिदान किये है वो डिसेबल सैनिक उनको ई सी एच एस पॉलीक्लिनिक से दवाई लेकर या जिला सैनिक बोर्ड से कोई भी अपना काम करवा कर सी एस डी कैंटीन में लगभग तीन-चार किलोमीटर जाना पड़ता है। वहां जाने के लिए कोई भी साधन उपलब्ध नहीं होते। ये सबसे बड़ी समस्या है इसलिए सभी ने जोर देते हुए कहा कि हमारी ये तीनों सैन्य संस्थाएं एक स्थान पर हो ये सभी साथियों ने मिलकर सांसद के सामने गुहार लगाई।

भाजपा सरकार में महिलाओं के अधिकार सुरक्षितः अनीता चौधरी

पूंडरी। गांव सिरसल में ग्रामीणों के साथ भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनीता चौधरी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

गांव सिरसल में एक जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनीता चौधरी ने भाग लिया। गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया।

सभा को संबोधित करते हुए अनीता चौधरी ने कहा कि महिलाओं को पुरुषों के बराबरी के अधिकार देने की बात तो सभी पार्टियों द्वारा की जाती रही है, लेकिन महिलाओं के सही में अधिकार भाजपा द्वारा दिए गए है। पंचायती चुनाव में भी महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण में दिया गया। पार्टी महिलाओं की राजनीति के अलावा हर क्षेत्र में भागीदारी सुनश्चिति करने के लिए वचनबद्ध है। पूर्व की सरकारों में महिलाओं को चार दिवारी में रोकर रखा जाता था और राजनीतिक तौर पर भी किसी महिला के चुने जाने पर उसका कार्य पुरुष प्रतिनिधि के तौर पर देखते थे।

मौजूद रहे

इस अवसर पर डा. कृष्ण, प्रीति, सुभाष, रामफल पंच, सोनू पंच, संजीव सरपंच रसीना, रणबीर पंडित, राजू फरल, रमेश पूर्व सरपंच फरल, सरोज प्रजापति, पूंडरी मंडल अध्यक्ष भावना मलिक भी मौजूद थे।

दुकानदारों ने रोपे पौधे

राजौंद। नगर के पुराने बस अड्डे के बस शैल्टर पर दुकानदारों ने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधा रोपित किए। दुकानदार राहुल छाबड़ा, सुमित भनोट, रवि, रिंकु, सतीश, कुलदीप शर्मा, संजू ने कहा कि पौधा लगाने से हमारा कर्त्तव्य पूरा नही हो जाता। हमें तब तक उनकी देखभाल करनी चाहिए जब तक पौधे छाया देने योग्य नहीं हो जाता। उन्होंने कहा कि मनुष्य द्वारा अपने स्वार्थ की पूर्ति हेतु वृक्षों को धड़ा-धड़ काटा जा रहा है। उन्होंने वर्तमान परिस्थितियों में पौधों का क्या महत्व है इस पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। पौधे हमारे जीवन की संपत्ति हैं, इसे बचाने के लिए सभी को आगे आना चाहिए।

ध्रूव स्कूल में आयोजित किया गया पुस्तक मेला

पूंडरी। धुरव पब्लिक स्कूल में आयोजित पुस्तक मेले में पुस्तकें देखते हुए अभिभावक व छात्र। फोटो :हरिभूमि

पूंडरी। धुरव पब्लिक स्कूल फतेहपुर में पेटीएम और पुस्तक मिले का आयोजन किया गया। कक्षा प्ले वे से कक्षा आठवीं तक के वद्यिार्थियों के अभिभावक अपने बच्चों के शक्षिकों से मिले और पेटीएम के माध्यम से बच्चों के मूल रूप से शैक्षणिक गतिविधियों व स्कूल द्वारा समय-समय पर आयोजित नियमित अन्य करिकुलम एक्टिविटी में बच्चों की भागीदारी और बच्चों की जानकारी हासिल की। इसी के अंतर्गत स्कूल में एक विशाल पुस्तक मिले का आयोजन भी किया गया। जिसकी अध्यक्षता मुख्य रूप से स्कूल प्राचार्या प्रवीण ढीलो ने की। पूंडरी कस्बे के किसी भी स्कूल में इस प्रकार का पहला आयोजन था, जिसमें हर क्षेत्र से संबंधित पुस्तकें देखने को मिली, जिसमें वद्यिार्थियों के साथ-साथ अभिभावकों ने भी पुस्तकों का चयन किया। इसके अलावा अभिभावकों के सुझाव के बाद कुछ पुस्तकों को स्कूल की लाइब्रेरी में समायोजित किया गया। प्राचार्या ने बताया कि पाठ्यक्रम के अलावा भी एक बच्चे के छात्र जीवन में पुस्तकों का अति महत्व है।

विकास कार्य की उपलब्धियों और सरकार की नीतियों से अवगत कराया: प्रो. दिनेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

पूंडरी। मुख्य बाजार में डोर टू डोर दुकानदारों से मिलते हुए पूर्व विधायक प्रो. दिनेश कौशिक। फोटो : हरिभूमि

भाजपा के वरष्ठि नेता पूर्व विधायक प्रो. दिनेश कौशिक ने कहा कि प्रदेश में लोकसभा चुनाव के बाद राजनीतिक परस्थितियां तेजी से बदल रही है। पूर्व विधायक प्रो. कौशिक अपने जन संपर्क अभियान के तहत पूंडरी बाजार के सभी दुकानदारों से डोर टू डोर जाकर मिल रहे थे। इस मौके पर उनके साथ सैकड़ों कार्यकर्ता भी साथ थे। लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर जनता का वश्विास भाजपा में बढ़ा है। इस दौरान कौशिक अपने शासनकाल में करवाए गए विकास कार्य की उपलब्धियों और सरकार की नीतियों से लोगों को अवगत करवाकर संगठन के साथ जुडऩे का आह्वान कर रहे थे। बाजार में दुकानदार भी पूर्व विधायक को अपने बीच में आया देखकर गर्मजोशी से स्वागत कर रहे थे। प्रो. कौशिक ने कहा कि हरियाणा में विधानसभा चुनाव का बिगुल किसी भी समय बज सकता है। जिसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को पहले से ही तैयार रहना चाहिए। पत्रकारों के सवाल पर पूर्व विधायक ने कहा कि वे भाजपा के सच्चे सिपाही है, पार्टी चुनाव लडऩे का मौका देगी तब भी और नहीं देगी तब भी वे पार्टी संगठन के लिए कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का उन पर पूर्ण आशीर्वाद है, उनके कुशल नेतृत्व में तीसरी बार भी हरियाणा में कमल खिलेगा। इस मौके पर उनके साथ पूर्व मार्केट कमेटी चेयरमैन रणधीर भल्ला, सरदार बलदेव सिंह हाबड़ी, पालाराम सैनी, प्रदीप राणा फरल, महेंद्र शर्मा फरल, स. बूटा सिंह, राजपाल पिलनी, सुरेंद्र ढांड, जयपाल बैरागी आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

चीका में आमजन को नशा न करने बारे किया जागरूक

कैथल । नशे से आजादी मुहिम के तहत समाज को नशा मुक्त करने के उद्देश्य से एसपी उपासना के निदेर्शानुसार चलाई जा रही मुहिम तहत पुलिस टीम द्वारा आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी के तहत एसआई कर्मबीर सिंह,एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, एचसी गुरलाल, महिला सिपाही रीतु तथा होमगार्ड शमशेर सिंह की टीम द्वारा चीका में विभिन्न जगह आमजन को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान पुलिस टीम द्वारा जानकारी दी गई।

आदर्श स्कूल जाखौली में किया लघु नाटिका का मंचन

राजौंद। आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाखौली के विद्यार्थियों ने जिंदगी में कभी हार ना मानने विषय पर एक प्रेरणादायक स्किट प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस स्किट का आयोजन स्कूल की प्रार्थना सभा में किया गया। इसमें छात्रों ने अपनी अद्वितीय अभिनय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। स्किट में छात्रों ने विभिन्न जीवन स्थितियों को प्रदर्शित किया जहां उन्होंने कभी हार न मानने के महत्व को उजागर किया। संदेश दिया कि कठिनाइयों और असफलताओं के बावजूद, दृढ़ संकल्प और मेहनत से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

आरकेएसडी कालेज में मनाया वन महोत्सव

कैथल। पौधारोपण करते आरकेएसडी कालेज के पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

कैथल । आरकेएसडी कॉलेज का खेल का मैदान पर्यावरण संरक्षण की भावना से जीवंत हो उठा, क्योंकि हमने बड़े उत्साह के साथ /"वन महोत्सव/" मनाया। कॉलेज की एनएसएस इकाइयों और रेड-क्रॉस सेल द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी, जिसमें छात्र, शिक्षक और विशिष्ट अतिथि एक साथ आए। हमें राष्ट्रीय विद्या समिति के अध्यक्ष और कॉलेज के शासी निकाय अश्विनी शोरेवाले को मुख्य अतिथि के रूप में पाकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इसे और भी गौरवान्वित किया, जैसे साकेत मंगल, श्याम बंसल, पंकज बंसल, सुनील चौधरी, नरेश शोरेवाला, नवनीत गोयल और प्राचार्य डॉ. संजय गोयल। विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने वृक्षारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। एनएसएस प्रभारी डॉ. राजेश देशवाल, डॉ. श्वेता और डॉ. अनुकृति ढुल ने इस कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे इसका सुचारू क्रियान्वयन और अधिकतम प्रभाव सुनिश्चित हुआ।

आरपीएस स्कूल के अंशुल ने सीए फाइनल व नौ विद्यार्थियों ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की

- देश की उन्नति में सीए विद्यार्थियों का महत्त्वपूर्ण योगदान : चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। सीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्ट्ड अकाउटेंटस ऑफ इण्डिया द्वारा सीए की परीक्षा का परिणाम घोषित किया, जिसमें आरपीएस विद्यालय महेन्द्रगढ़ के अंशुल ने सीए फाईनल कोर्स कम्पलिट किया एवं इसके साथ-साथ आरपीएस स्कूल के 9 विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम में सफलता अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अपार खुशी में आरपीएस विद्यालय में अभिभावक, शिक्षक व विद्यार्थी एक-दूसरे को बधाई देकर खुशी का इजहार करते नजर आए।

इस खुशी के मौके पर आरपीएस संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व संस्था के सीईओ मनीष राव, विद्यालय प्रिंसिपल डॉ. किशोर तिवारी एवं पीजीटी विंग हैड देवेन्द्र पुनिया ने बधाई देते हुए कहा कि तकनीकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतिहास रचने के साथ-साथ आज विद्यार्थी संस्था में वाणिज्य में भी विभिन्न परीक्षाओं में इतिहास रच रहे हैं। वाणिज्य के क्षेत्र में सीए की परीक्षा देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शुमार है। छात्रा सुरभी, प्रिया, दिपांशु, उदय प्रताप सिंह, अंजली, मोहित अग्रवाल, भविष्य, तरूण कुमार एवं कृष गोयल ने सफलता अर्जित कर अभिभावकों, शिक्षकों का नाम रोशन किया। आरपीएस विद्यालय आज अभिभावकों के सपनों को साकार करने के लिए दृढ संकल्पित है। देश की सबसे बड़ी परीक्षा सीए के परीक्षा परिणाम में 9 विद्यार्थियों का एक ही संस्था से चयन होना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। विद्यालय के उप-प्रधानाचार्य दिनेश कुमार, डीन एलएन गौड़, कॉमर्स विभागाध्यक्ष शिव कौशिक, विंग हैड अमित कुमार, जिले सिंह, प्रितिका, अनिता अहलावत, विजेता कौशिक, मुकेश यादव, नीरज भारद्वाज एवं शमशेर सिंह ने सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कैथल। महिला कांग्रेस महासचिव अनीता ढुल बड़सीकरी गांव बाता में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

कांग्रेस पार्टी के सता मे आने पर पुलिस कर्मियों के लिए लागू करेंगे पंजाब पुलिस के समान वेतनमान

कलायत। महिला कांग्रेस महासचिव अनीता ढुल बड़सीकरी ने गांव बाता मे जनसभा को संबोधित करते हुए बताया कि जब वह पिछले चार दिन से लगातार घर-घर कांग्रेस हर घर कांग्रेस अभियान के दोरान डोर टू डोर कर रही थी तो लोगो ने बताया कि इस सरकार से हर वर्ग दुखी है और ये जूठे जुमलो से सत्ता पाने के बाद इसने आम जन की सूद लेना ही भुल गई है। इन्होंने ने अनेक वायदे किए थे पर भाजपा हर वायदा पूरा करने मे नाकाम साबित हुई है।अब कांग्रेस पार्टी ने गारंटी मैनिफेस्टो देगी जो कांग्रेस सरकार वाले राज्यो मे भी लागू किए गए है। अब इस विधानसभा चुनाव मे कांग्रेस सरकार बनने पर हरियाणा पुलिस कर्मियों को पंजाब पुलिस के समान वेतन मान देगी ताकि पुलिस कर्मियों की लम्बे समय से चल रही मांग पूरी की जा सके। इस मौके पर उनके साथ राजेश अम्बरसर,तरसेम राणा,ब्लॉक समिति के सदस्य संजू राणा,जगदीश राणा,हसन राणा, सुजीत शर्मा,धर्मपाल शर्मा,जसपाल राणा, कश्मीर आदि मौजूद रहे।

सामुदायिक केंद्र भवन परिसर में कार्यक्रम

अधिकार-कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलायत

कलायत। कलायत में आयोजित कार्यक्रम में मंप पर मौजूद प्राधिकरण पदाधिकारी व विभन्नि संगठनों से जुड़े लोग। फोटो :हरिभूमि

कलायत में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सामुदायिक केंद्र भवन परिसर में शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल तत्वाधान में कानूनी सहायता एवं जागरूकता कार्यक्रम का मंच सजा। इसमें प्राधिकरण की तरफ से एडवोकेट विनय गर्ग और पैरा लीगल वालंटियर नीलम धानियां ने शिरकत की। प्राधिकरण टीम ने आयोजन की शुरूआत स्वच्छ भारत मिशन संयोजक सुरेश चहल, पालिका सुपरवाइजर सोमप्रकाश शर्मा, सोमपाल राणा, भाजपा युवा नेता राहुल राणा, गौरव शर्मा, हरदीप सिंह, नरेंद्र कुमार और अन्य गणमान्य लोगों के साथ पौधा रोपण से की। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का संदेश दिया गया। सामाजिक कार्यकतार्ओं ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता मिशन को गति देने में सामाजिक सहभागिता की कोई कमी नहीं रहेगी। एडवोकेट विनय गर्ग और नीलम धानियां ने कहा कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण का मुख्य ध्येय नागरिकों को उनके अधिकार एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए सस्ता एवं सुलभ न्याय दिलाना है। कानूनी सहायता के मुफ्त हकदारों को जिला न्यायालय से लेकर उच्च और सर्वोच्च न्यायालय तक किसी भी लंबित मुकदमें में या नए मामलों में सहायता का प्रावधान है। इसमें सभी दीवानी अपराधिक, राजस्व व प्रशासनिक मामले शामिल हैं। इनमें सरकारी खर्च से वकील किया जाता है। इसके अतिरिक्त कोर्ट फीस, फैसले की नकल प्राप्त करना, गवाहों व अन्य संबंधित खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

कालेजों में दूसरी मैरिट लिस्ट जारी

- विद्यार्थी बिना दस्तावेजो के पहुंच रहे कॉलेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। आरकेएसडी कालेज में मैरिट लिस्ट देखते युवा। फोटो : हरिभूमि

आरकेएसडी कॉलेज, कैथल में दूसरी मेरिट सूची के लिए दाखिला प्रक्रिया सुचारु रूप से चल रही है। विद्यार्थी अपनी मेरिट सूची के अनुसार पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए सुबह से ही कॉलेज में आना शुरू हो गए थे। बहुत से विद्यार्थी बिना उचित दस्तावेजों जैसे 10वीं व 12वीं की मार्कशीट, चरित्र प्रमाण पत्र, फैमिली आईडी आदि के बिना कॉलेज आ रहे हैं। ध्यान रहे कि दाखिला लेने के लिए ये सभी दस्तावेज अनिवार्य हैं। विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे दस्तावेज, दाखिला फार्म, फीस चालान आदि के लिए कॉलेज के मुख्य हॉल में स्थापित अलग डेस्क पर जाएं।

साथ ही कॉलेज ने उच्च शिक्षा विभाग और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र से आवश्यक सभी अनुमतियां सफलतापूर्वक प्राप्त करने के बाद समाजशास्त्र, मनोविज्ञान और जनसंचार जैसे नए विषयों में पाठ्यक्रम भी शुरू कर दिए हैं। प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कहा कि इन दाखिला दिनों में स्टाफ सुबह से शाम तक अपनी डेस्क पर पूरी लगन से काम कर रहा है, ताकि विद्यार्थियों को बिना किसी देरी के सभी उचित जानकारी और सुविधाएं मिल सकें। साथ ही सभी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में पंजीकरण प्रक्रिया भी कल से चल रही है।

इको क्लब ने चलाया पौध रोपण अभियान

राजौंद। गांव जाखौली के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्रों ने इको क्लब के तहत पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्काउट के छात्रों द्वारा पपड़ी, जामुन, नीम व बेरी के लगभग 50 पौधे लगाए। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र सिंह डागर द्वारा किया गया। पौधे लगाते समय स्काउट के छात्रों ने विश्वास दिलाया कि जब तक ये पौधे 6 फुट के नहीं हो जाते तब तक वे इनकी सुरक्षा करेंगे व समय समय पर पौधों की सिंचाई भी करते रहेंगे।

बेदखली सूचना

मैं, जसवंत सिंह पुत्र राम सिंह निवासी गांव बोपुर, तहसील गुहला, जिला कैथल (हरियाणा) ब्यान करता हूं कि मेरा पुत्र गुरबाज सिंह व उसकी पत्नी जसन प्रीत कौर मेरे कहने सुनने से बाहर हैं मैनें इन्हे अपनी चल अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है। अब मेरा व मेरे परिवार का इन से कोई ताल्लुक वास्ता ना रहा है। जो भी व्यक्ति इन से लेनदेन करेगा उसका वह स्वयं जिम्मेवार होगा। इन द्वारा किये गये कामों तथा लेन देन मे मेरी व मेरे परिवार व मेरे रिश्तेदारों की कोई जिम्मेवारी नही होगी। सभी संबन्धित नोट करें।

खबर संक्षेप

प्योद उखाडने पर किया हमला, पांच नामजद

जींद। गांव धनखड़ी में धान की प्योद उखाडने को लेकर हुई विवाद में व्यक्ति के घायल होने पर उचाना थाना पुलिस ने पांच लोगों को नामजद कर कुछ अन्य खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। गांव धनखड़ी निवासी सुमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने गलती से पड़ोसी बलजीत की प्योद उखाड़ ली थी।

महिलाओं को ई-रिक्शा प्रशिक्षण दिया जाएगा

कैथल। डीसी प्रशांत पंवार ने बताया कि हरियाणा महिला विकास निगम द्वारा केवल हरियाणा की बीपीएल (गरीबी रेखा से नीचे) स्थानीय निवासी लड़कियों व महिलाओं के लिए कैथल अशोकाले लैंड ड्राइविंग ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में 10 दिन का ई-रिक्शा प्रशिक्षण कार्यक्रम जल्द शुरू किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण महिलाओं को निशुल्क प्रदान किया जाएगा ।

बाइक सवार दो युवकों ने महिला का पर्स छीना

जींद। भटनागर कालोनी में जांगड़ा धर्मशाला के निकट बाइक सवार दो युवकों ने महिला से पर्स को छीन लिया और फरार हो गए। पर्स में 3400 रुपये की नगदी तथा दस्तावेज थे। शहर थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर फरार दोनो युवको के खिलाफ छीना झपटी समेत विभिन्नि भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सुभाष नगर निवासी सावित्री ने पुलिस को दी शिकायत

31 जुलाई तक चलाया जाएगा विरोष अभियान

कैथल। डीईटीसी वीके बैनिवाल ने बताया कि आबकारी व कराधान विभाग द्वारा लंबित मामलों के निपटान हेतू विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान 31 जुलाई तक चलाया जाएगा। अभियान के तहत लंबित कार्यवाही जैसे सुधार रिमांड मामलों का निर्णय व पुनर्मूल्यांकन आदि का निपटान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जुलाई 2017 को माल और सेवा कर (जीएसटी) में शामिल सभी 7 अधिनियमों के तहत 30 जून 2017 तक की मूल्यांकन अवधि के लिए लागू है।

कार की टक्कर से बाइक सवार बाप व बेटी घायल

जींद। गांव गुलकनी के निकट तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार बाप व बेटी घायल हो गए। सदर थाना पुलिस ने घायल की शिकायत पर फरार कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव रधाना निवासी सतीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी बेटी शिवानी को बाइक पर लेकर हिसार से गांव वापस लौट रहा था।

प्रताड़ित करने के आरोप में पति गिरफ्तार

कैथल। थाना कलायत क्षेत्र के एक गांव में विवाहिता के साथ दहेज के लिए मारपीट कर उसे प्रताड़ित करने के आरोप में थाना कलायत पुलिस की लेडी एचसी रीना द्वारा पीड़िता के रामरतन को गिरफ्तार कर लिया गया। जिला जींद के एक गांव निवासी पीड़िता द्वारा पुलिस को दी शिकायत अनुसार पीड़िता की शादी 24 फरवरी 2012 को रामरतन उपरोक्त के साथ हुई थी।

चार के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज

जींद। उचाना थाना इलाके से युवती के संदग्धि हालात में गायब होने पर उचाना थाना पुलिस ने चार युवकों के खिलाफ अपहरण समेत विभिन्नि भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। उचाना थाना इलाका गांव के एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात उसकी बेटी घर से गायब हो गई। पूछताछ करने पर उसकी बेटी का सुराग नही लगा।

कार्यकर्ता चुनाव के लिए तैयार रहे : रवि

पूंडरी। भाजपा करोड़ा मंडल की विस्तारित मंडल कार्यकारिणी की बैठक मंड़ल अध्यक्ष देवीदयाल बरसाना की अध्यक्षता में पाई अनाज मंडी में हुई। इस बैठक मे मुख्य वक्ता घुमंतू जाति के वाईस चेयरमैन जसवंत पठानिया व एएसी आयोग के सदस्य पूंडरी विधानसभा संयोजक रवि तारावाली ने भाग लिया।

दोनों गुटों के पार्षद पहाड़ी वादियों की सैर पर निकले

जिप चेयरमैन के पद को बचाने गिराने को लेकर उठापटक शुरू

अब भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार टूटने के बाद जिप की सरकार तोड़ने का प्रयास

डीसी ने 19 को सदन की बैठक आयोजित करने का पत्र जारी किया था

नरेश पंवार ▶▶| कैथल

कैथल। जिला परिषद का भवन।

■ 25 जून को सदन की बैठक बुलाई थी, लेकिन सीईओ के अचानक अवकाश पर जाने के चलते स्थगित कर दी थी बैठक

जिला परिषद के पार्षदों ने चेयरमैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दिए जाने को लेकर एक बार फिर से कैथल की राजनीति पूरी तरह से गरमा गई है। ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा समर्थित पार्षद जिला परिषद के चेयरमैन दीपक मलिक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। बता दें कि दीपक मलिक जजपा में आस्था रखते हैं।

गौरतलब है कि शुक्रवार को ही जिला परिषद के भाजपा समर्थित पार्षद डीसी प्रशांत पंवार से अविश्वास प्रस्ताव पारित करने के लिए सदन की बैठक आयोजित करवाने की मांग पर मिले थे तथा उन्होंने डीसी को अपने-अपने शपथ पत्र भी सौपे थे। डीसी ने इस पर कार्रवाई करते हुए 19 जुलाई को दोपहर तीन बजे ही जिला परिषद की सदन की बैठक आयोजित करने का एक पत्र जारी किया था।

दूसरी ओर प्रदेश में जजपा-भाजपा का गठबंधन टूटने से पहले करीब एक साल पहले ही जिला परिषद में भी गठबंधन सरकार बनी थी। इसमें जजपा के कोर्ट से दीपक मलिक को अध्यक्ष व भाजपा के कोटे से कर्मबीर कौल को उपाध्यक्ष बनाया गया था। प्रदेश में दोनों पार्टियों का गठबंधन टूटने के बाद लोकसभा चुनाव हुए। चुनाव के कारण जिला परिषद में सदन की बैठक नहीं हो पाई थी। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद 25 जून को ही सदन की बैठक बुलाई गई थी, लेकिन यह बैठक अंतिम समय में ही सीईओ के अवकाश पर जाने के चलते स्थगित कर दी गई थी। इस दौरान जिला परिषद के सभी 21 पार्षद पहुंचे थे, लेकिन जजपा और भाजपा समर्थित पार्षदों ने अलग-अलग गुट बनाकर मीडिया से बातचीत की थी। उस दौरान उपाध्यक्ष ने अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया था। अब गठबंधन सरकार टूटने के बाद जिला परिषद की सरकार तोड़ने का प्रयास भी जारी है।

ई-रिक्शा खरीद में ज्यादा बिल बनाया

जिला परिषद के सूत्रों से मिली जानकारी अनुसर जिला परिषद की सदन की बैठक की तिथि की घोषणा के बाद जजपा और भाजपा समर्थित पार्षद अपने-अपने पार्षदों के साथ पहाड़ी वादियों के सैर सपाटे पर निकल गए हैं। दोनों ही गुटों की ओर से पार्षदों को अपने पक्ष में लाने के लिए प्रयास जारी कर दिए गए हैं। अब 19 जुलाई को ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी कि जजपा समर्थित अध्यक्ष दीपक मलिक की कुर्सी बचेगी या फिर इस कुर्सी पर अन्य कोई पार्षद अध्यक्ष बनकर बैठेगा। उपाध्यक्ष कर्मबीर कौल ने जिला परिषद में सफाई व सामान व बलिदानियों की लगाई गई प्रतिमाओं की खरीद फरोख्त को लेकर भी भ्रष्टाचार का अंदेशा जताया था। पार्षदों ने उस समय आरोप लगाया था कि अब तक 52 जगहों पर बलिदानियों की प्रतिमा स्थापित की है। इनके दाम बाजारों से ज्यादा महंगे लगा रखे हैं। इसमें भ्रष्टाचार हुआ। यह भी आरोप लगाया था कि गांव में लगाए गए वाटर कूलर, वाटर टैंक व ई-रिक्शा की खरीद को लेकर भी ज्यादा बिल बनाया।

भ्रष्टाचार का मामला गूंजा

बता दें कि हाल ही में जिला परिषद में भ्रष्टाचार के मामले आ चुके हैं। इसमें करीब सात करोड़ रुपये का सफाई घोटाला मुख्य है। इसके साथ ही जिला परिषद में खरीद गए सामान में भी भ्रष्टाचार की शिकायत दी गई है। ऐसे में जिला परिषद पिछले कुछ दिनों से काफी सुर्खियों में रहा है। इसके बाद से ही उपाध्यक्ष सहित अन्य भाजपा समर्थित पार्षद जिप में आए सामान की खरीद-फरोख्त की जांच की मांग कर रहे हैं। यह बैठक 19 जुलाई दोपहर बाद तीन बजे जिला परिषद कैथल के सभागार में आयोजित होगी।

जींद। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाने आए परिजन।

बस की टक्कर से बाइक सवार ठेकेदार की मौत

■ पचास मीटर तक घसीटती ले गई बस मृतक को, चालक फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव रजाना कलां के निकट जींद-सफीदों मार्ग पर बीती रात तेज रफ्तार परिवहन समिति बस ने बाइक सवार को चपेट में ले लिया और उसे पचास मीटर तक घसीटती ले गई। जिसमें बाइक सवार की मौत हो गई। पल्लिूखेड़ा थाना पुलिस ने मृतक के जीजा की शिकायत पर फरार बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव महमूदपुर जिला सारन बिहार निवासी देवेंद्रनाथ प्रसाद (40) गांव जामनी के निकट नर्मिाणाधीन जम्मू-कटरा नेशनल हाइवे पर लेबर ठेकेदार था। बीती रात वह जामनी चौक बेस कैंप से बाइक पर सवार होकर पल्लिूखेड़ा मंडी आ रहा था। जब वह गांव रजाना कलां से निकल कर चौक पर पहुंचा तो पीछे से आ रही तेज रफ्तार परिवहन समिति बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया और उसे घसीटते हुए 50 मीटर दूर तक ले गई। जिसमें देवेंद्रनाथ गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना को अंजाम देकर बस चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने देवेंद्रनाथ को नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां पर चिकत्सिकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर पल्लिूखेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के जीजा परशुराम की शिकायत पर फरार परिवहन समिति बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार अनियंत्रित होकर पलटी महिला की मौत, दो गंभीर

जींद। हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाइवे पर गांव सच्चाखेड़ा के निकट कार के अनियंत्रित होकर पलटने से एक महिला की मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। सदर थाना नरवाना पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। संगरूर पंजाब निवासी ऊषा (62) परिवार के ही मीनू, निखलेश के साथ कार में सवार होकर हिसार से वापस अपने घर लौट रहे थे।

पुलिस ने चलाया जांच अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार की अगुवाई में टीम वाहनों की जांच करते हुए।

राजौंद पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान चलाकर वाहनों की जांच की गई। वहीं टू व्हीलर वाहन चालकों के हेलमेट भी चैक किए गए । राजौंद थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि रूटीन की चेकिंग के दौरान जींद मोड़ पर नाका लगाकर जहां लोगों को जागरूक किया गया वहीं वाहनों की जांच भी की गई। उन्होंने कहा कि टू व्हीलर वाहन चालकों के हेलमेट भी चेक किए गए। एस एच ओ ने कहा कि पुलिस समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक कर रही है व सड़क सुरक्षा के नियमों से भी लोगों को अवगत करवा रही है ताकि लोगों होने वाली घटना से सचेत किया जा सके। उन्होंने कहा कि कार चालक अपनी सीट बेल्ट लगाकर गाड़ी चलाएं व टू व्हीलर वाहन चालकों को हेलमेट आवश्यक लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लगभग 25 वाहनों की चेकिंग की गई है। इसके साथ-साथ सभी को जागरूक किया गया।

धर्मशाला प्रधान समेत दो पर हमला, चार गिरफ्तार

जींद। सीआरएसयू गेट के सामने पांचाल धर्मशाला पिंडारा के प्रधान तथा उसके साथी पर कार सवार लोगों ने हमला कर घायल कर दिया। शहर थाना पुलिस ने घायल प्रधान की शिकायत पर पांच लोगों को नामजद कर कुछ अन्य खिलाफ विभिन्नि भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। पांडू पिंडारा पांचाल धर्मशाला के प्रधान गांव दालमवाला निवासी बंटी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने दोस्त जितेंद्र के साथ शहर में था। उसी दौरान उसके फोन पर दुर्गा कालोनी निवासी सुशील की व्हाट्सअप कॉल आई और मिलने की बात कही। जिस पर उसने कुछ समय बाद नई अनाज मंडी आने की बात कही। जब वह गाड़ी से सीआरएसयू के गेट के सामने पहुंचा तो तीन गाडियों ने उसकी गाड़ी को घेर लिया। उसमें से उतरे सुशील व उसके साथियों ने दोनों पर डंडों तथा बिंडों से हमला कर दिया। जिसमें दोनों को चोटें आई। सीआरएसयू गेट सामने झगड़ा होते देख पुलिस मौके पर पहुंच गई और कुछ लोगो को काबू कर लिया।

गुरुकुल खेड़ा के राजकीय स्कूल में फंदे पर लटकता मिला किशोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

■ घर से आया था गुस्से में, परिजनों ने ही स्कूल में पहुंच फंदे से उतारा

गांव गुरुकुल खेड़ा राजकीय स्कूल के कमरे में रखी जिम वेट मशीन के ढांचे पर संदग्धि हालात में फांसी के फंदे पर किशोर लटका मिलने से हडकंप मच गया। घटना की सूचना पाकर उचाना पुलिस फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। गुरुकुल खेड़ा निवासी अंकुश (14) का शव शनिवार को गांव के राजकीय स्कूल के कमरे में बने जिम की वेट मशीन के ढांचे पर संदग्धि हालात में फांसी के फंदे पर लटकता पाया गया। जब तक उसे फंदे से नीचे उतारा जाता तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। हालांकि शनिवार को स्कूल की छुट्टी थी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व हैल्पर स्कूल में मौजूद थी। कमरे में जिम का सामान होने के कारण उन्होंने ज्यादा ध्यान नही दिया। बताया जाता है कि अंकुश घर से गुस्से में आया था। कुछ समय के बाद उसकी नानी तथा मौसी भी अंकुश का पीछा करती हुई स्कूल में पहुंच गई थी। उन्होंने ही अंकुश को फांसी के फंदे से उतारा। दोनों द्वारा शोर मचाए जाने में अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर उचाना थाना पवन कुमार फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और हालातों का जायजा लेकर शव को नागरिक अस्पताल नरवाना पहुंचा। मृतक दसवीं कक्षा का छात्र था। उचाना थाना पुलिस ने इत्तफाकिया कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। उचाना थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि उन्होंने हर एंगल से मामले को जांचा था। किशोर घर से गुस्से में आया था। फांसी के फंदे से भी परिजनों ने ही उतारा था। मामला आत्महत्या का रहा है। शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है।

मांगों को लेकर सीएम-शिक्षा मंत्री के नाम बीइओ को सौंपा मांगपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। बीईओ को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो :हरिभूमि

लघु सचिवालय में किसान धरना स्थल पर राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ नरवाना और उझाणा खंड के शिक्षकों ने अंतर जिला सामान्य तबादलों के लिए व गलत तरीके से प्राथमिक स्कूलों को बंद करने के खिलाफ धरना देकर जोरदार प्रदर्शन किया। अध्यक्षता खंड नरवाना व उझाना के प्रधान सोमदत्त बेदी और कृष्ण सैनी ने सांझे रुप से किया। मीडिया प्रभारी राजेश टांक ने बताया कि धरने में जिला संरक्षक रूपेंद्र गोयत, प्रधान जितेंद्र, महासचिव अश्विनी नैन, वरष्ठि उपप्रधान प्रदीप जागलाण शिक्षक नेताओं ने धरने को संबोधित करते सरकार की गलत नीतियों का प्राथमिक स्कूलों और प्राथमिक शिक्षकों के खिलाफ की की साजिशों का पर्दाफाश किया। टांक ने बताया कि आमजन मानस के बच्चों को शिक्षा से दूर करने के लिए सरकार द्वारा प्रयास किए जा रहे ।

कर्मचारी संघ ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

■ सरकार से पॉलिसी बना अनुबंधित कर्मियों को पक्का करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। विधायक प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपते अनुबंधित विद्युत कर्मचारी।

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ ने शनिवार को डिवीजन अध्यक्ष राकेश शर्मा व कर्मपाल सिद्व की अध्यक्षता में कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर नरवाना हलका से विधायक रामनिवास सूरजखेड़ा को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। नरवाना डिवीजन में प्रदेश कार्यकारिणी से प्रदेश सचिव सुभाष ने बताया कि सरकार को विभिन्न माध्यमों से ज्ञापन भेजे गए हैं लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रहेगी है। यदि सरकार वक्त रहते विद्युत विभाग के कच्चे कर्मचारियों की मांगों का समाधान कर लेती है तो ठीक है देरी के लिए सरकार जिम्मेदार होगी। 29 जुलाई को करनाल 12 सेक्टर में समस्त हरियाणा प्रदेश के विद्युत विभाग के कच्चे कर्मचारी भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में शमिल होंगे और अनश्चिति काल के लिए करनाल में धरना प्रदर्शन करके इस सोई हुई व गूंगी बहरी सरकार को जगाने का काम करेंगे। प्रदेश सचिव सुभाष ने कहा कि आज बिजली विभाग का सारा बोझ अनुबंधित कर्मचारियों के कंधे पर है। प्रदेश में किसी भी समय बारिश आंधी, तूफान, दिन, रात भी बिजली सेवा सुचारू रूप से चले, इसलिए कार्य करते हुए अभी तक पूरे प्रदेश में दर्जनों अनुबंधित कर्मचारी अपनी जान गवा चुके हैं तथा सैंकड़ों कर्मचारियों के अंग भंग हो चुके हैं। विभाग की तरफ से बहुत कम वेतन और नाममात्र कीसुविधा मिल रही है। इसमें संगठन की मुख्य मांगे सरकार द्वारा रेग्यूलर पॉलिसी बनाई जाए। जिसमें विद्युत विभाग के सभी कर्मचारियों को बिना किसी शर्त शामिल किया जाए। इसके साथ-साथ कैशलेस मेडिकल पॉलिसी, रस्कि अलाउंस, ग्रेच्युटी, एलटीसी और बोनस के अलावा हमारे खेदड़ यमुनानगर थर्मल प्लांट में कार्यरत कर्मचारी जिनको लेकर 12 जून 2023 को जो समझौता मैनेजमेंट के साथ हुआ था, उसे लागू करने में अन्य मांगे शामिल हैं। बिल्लू दहिया, राकेश शर्मा, प्रदीप शर्मा आदि मौजूद रहे।

हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने जारी किया पत्र

राजकीय स्कूलों में 15 को होगी पीटीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

15 जुलाई को जिले के 424 राजकीय स्कूलों में पीटीएम होगी। पीटीएम में छात्रों की निपुण प्रगति व निपुण कक्षाओं के लक्ष्य के बारे में होगी चर्चा की जाएगी। पीटीएम आयोजन को लेकर हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने प्रदेश के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया है। शिक्षा परियोजना परिषद का मानना है कि विद्यार्थियों को शिक्षित करने में शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों की भी महत्वूपर्ण भूमिका होती है। इसी के मद्देनजर शिक्षा विभाग की ओर से ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान बाल वाटिका से कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों के लिए नवाचारी गृह कार्य दिया गया था। इसमें बच्चों ने अपने माता.पिता के निर्देशन में घर पर रह कर बहुत सी गतिविधियों में भाग लिया था। वहीं अभिभावकों ने ही विद्यार्थियों के गृह कार्य की परीक्षा लेकर स्वयं मूल्यांकन भी किया था। इसी कड़ी में राजकीय स्कूलों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों के अभिभावकों को स्कूलों के साथ जोड़ने के लिए 15 जुलाई को जिले के 424 प्राइमरी स्कूलों में पीटीएम का आयोजन किया जाएगा। इसमें अभिभावकों व विद्यार्थियों को निपुण हरियाणा मिशन के व्हाट्सएप चैनल व यू ट्यूब चैनल सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियों के बारे में विचार विमर्श किया जाएगा। बतां दे कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान निपुण कार्यक्रम तथा राष्ट्रीय पाठ्य चर्चा की अनुपालना में होमवर्क में बदलाव किया गया था। यह होमवर्क परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर किया जाना थाए जिसमें नाना-नानी, दादा-दादी एवं बड़े सदस्यों को मेंटर की भूमिका दी गई थी। जिन्होने अपने अनुभवों के साथ नई पीढ़ी को सामान्य ज्ञान के साथ-साथ संस्कार, मार्गदर्शन, दक्षता व कौशल व्यवहार प्रदान किया। परिवार के सदस्यों के साथ जुड़कर बनाई गई यह गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को हर समय मोबाइलए कंप्यूटर तथा टेलीविजन से दूर रखने तथा परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के साथ लगाव एवं जुड़ाव पैदा करना था।

छात्रों को किया जाएगा निपुण

एफएलएन जिल कोऑर्डिनेटर राजेश वशिष्ठ ने बताया कि 15 जुलाई को जिले के सभी प्राइमरी स्कूलों में पीटीएम का आयोजन किया जाना है जिसकी तैयारियां चल रही हैं। पीटीएम में अभिभावकों द्वारा बच्चों की ली गई परीक्षा के अंकों के बारे में चर्चा की जाएगी। पीटीएम का मुख्य उद्देश्य है कि विद्यार्थियों की कमियों को दूर कर उन्हें हर विषय में निपुण किया जाए। इसको लेकर ही पीटीएम में अभिभावकों व शिक्षकों के बीच विचार विमर्श किया जाएगा।

अमरनाथ भगत जयराम महिला कालेज को मिला सरकारी महाविद्यालय का दर्जा

■ पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत विधानसभा के गांव सेरधा स्थित अमरनाथ भगत जयराम महिला कालेज को सरकारी कॉलेज का दर्जा देने पर पूर्व राज्यमंत्री एवं भाजपा विधायक कमलेश ढांडा ने सीएम नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। ढांडा ने कहा कि घोषणा के बाद प्रदेश के मानचित्र पर कलायत विस की धरा अब तीन राजकीय महिला कॉलेजों की गवाह बन गई है। इससे विधानसभा क्षेत्र के कोने-कोने में महिला शिक्षा की लौ रोशन होगा और शिक्षित बहू-बेटियां देश-दुनिया में देवभूमि कलायत की शान बढ़ाएंगी। कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में कलायत की गणना कभी शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े इलाके मेवात के साथ होती रही है। भाजपा की केंद्र एवं राज्य सरकार ने शिक्षा के पिछड़ेपन को गतिशीलता से दूर करने का इतिहास लिखा है।

सेरधा से गहरा नाताः ढांडा

कमलेश ढांडा ने कहा कि सेरधा गांव से उनका पुराना और पारिवारिक नाता है। इसी माटी से मेरे स्वर्गीय पति चौधरी नरसिंह ढांडा को वर्ष 1982 में पाई विधानसभा से लड़े गए पहले चुनाव में बड़ा समर्थन मिला था।हालाकि कभी इस गांव सेरधा की पहचान विधानसभा के रूप में होती थी।

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

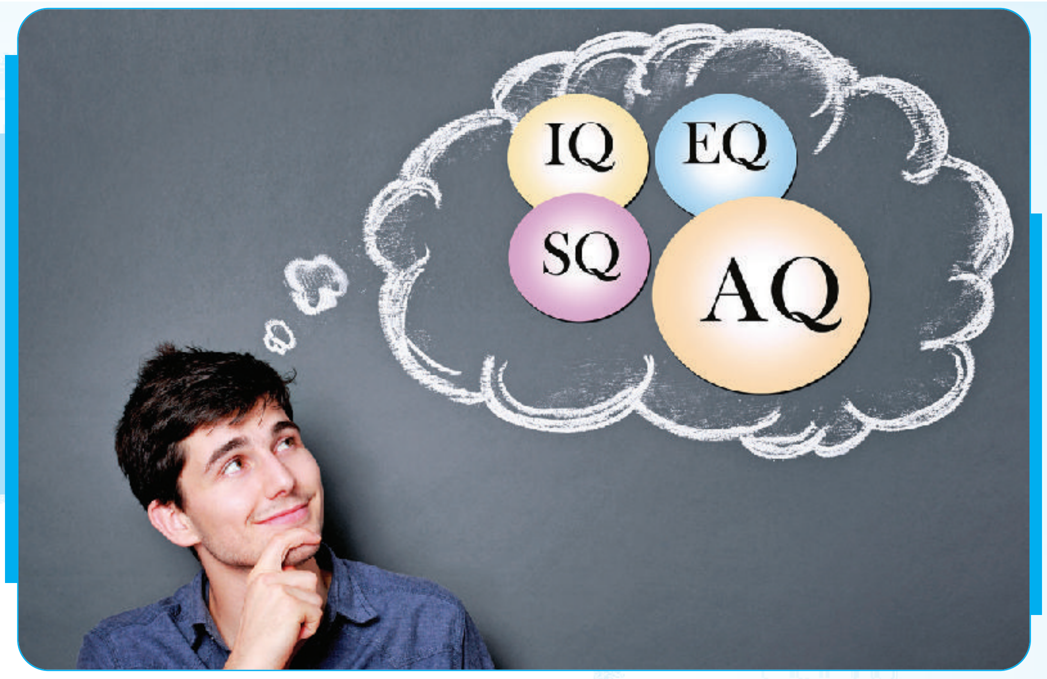

आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्यू

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

अगर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलीजेंस कोशेंट का कॉन्सेप्ट दिया।

आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी घिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का एकमात्र पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग- अलग तरह से परख होती है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

इन दिनों चर्चा में है एक्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आपा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते है, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही बुद्धिमान होता है। इसलिए देखने में आता है कि कई सफल लोग भले सामान्य परिस्थितियों में ज्यादा कुछ ना बोलें, बढ़-चढ़कर अपनी समझदारी ना दिखाएं, लेकिन जब बुरा वक्त आता है तो वे बहुत ही बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उस बुरे वक्त से बाहर निकल आते हैं। माना जाता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर आईक्यू बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता, क्योंकि यहां तक अगर कोई पहुंचा है तो उसकी दिमागी क्षमता सामान्य लोगों से तो ज्यादा होगी ही। इस स्तर पर ईक्यू भी बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, क्योंकि सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर या बहुत ऊंचे पायदान पर भावनाएं बहुत मायने नहीं रखती हैं और इस स्तर पर सामाजिकता भी कम से कम उतनी अर्थपूर्ण नहीं रहती, जितनी निचले स्तर के लोगों के लिए सामाजिकता की कीमत होती है। सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएंगे और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतिभा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदौलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहानुभूति हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाईयां छूकर, जबरदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का माद्दा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कौशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूसा गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। *

विराट कोहली का एक्यू है हाई

कई बार हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कहा करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसेस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्हीं के रनों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन ईनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्यू कितना हाई है!

लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की भरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

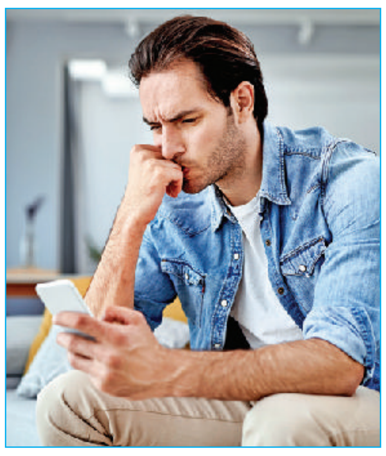

कई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर पसंदीदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीटी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

बेवजह की बेचैनियों से परेशान: आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती हैं। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शादी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाएं पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

वजह हैं ज्यादा ऑप्शंस: क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है। असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पार्लर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंफ्यूज और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनें। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

पहले हम रहते थे सुकून से: आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शादी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंफ्यूज बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गद्देवाला बेड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वैराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशान: 'एज ऑफ अबेंडंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेटे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्फिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंफ्यूज होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं।

स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं।

टफ बन रहा जीवन : ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशक्कत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएं बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

नहीं होता जहां कुछ भी

नहीं होता जहां कुछ भी खयाले-खाम होता है
उसे सुनता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है
तुम्हारी बज्म में जाने से मेरा कद नहीं बढ़ता
मेरे आने से महफिल में तुम्हारा नाम होता है
अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा
किसी की जान जाती है किसी का काम होता है
हकीकत आ ही जाती है निगाहों में जमाने की
बुराई का हमेशा से बुरा अंजाम होता है
फकत इज्जत की खातिर बोली जाती हैं कई बातें
वहां मुद्दा नहीं रहता जहां कुहराम होता है
भले बनकर रहा करते हैं मीठा बोलने वाले
खरा कहता है, जो अकसर वही बदनाम होता है
उन्हें अफसोस होगा जो कभी मुझसे न मिल पाए
मेरी हर बात पे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

कहानी / सरस्वती रमेश

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इंसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

करुणा का बीज

आज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।'

डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सकुचाते हुए पूछा,'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?'

'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया। 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा।

'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?'

'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूं। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा।

'उनके पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली। 'अरे ! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा।

'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।'

डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्ष बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वहीं मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?'

'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा।

विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूं। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।'

'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे का इलाज करवाया था?'

एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया।

युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूं, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।'

'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल ने युवक को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा।

कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए हमें बताइए?'

विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।'

कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।'

'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबरदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपको जरूरत नहीं है। और ना आप पैसों की चिंता करना। मैं हूं ना, आपके बेटे के समान हूं। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। *

बारिश के मौसम में केरल के विभिन्न इलाकों में आयोजित होने वाली सर्प नौका दौड़, अपने अनोखेपन के कारण विश्वविख्यात है। इस सांस्कृतिक आयोजन में गीत-संगीत की मधुरता के साथ ही खेल का रोमांच भी शामिल होता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसकी विशिष्टताओं पर एक नजर।

अनोखी-मनोहारी केरल की नौका दौड़

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

अपने देश के दक्षिणी राज्य केरल में मानसून शुरू होते ही, मनोहारी सर्प नौका दौड़ के आयोजन शुरू हो जाते हैं। इस साल पिछले महीने 22 जून 2024 से उसका आगाज हो चुका है और अब यह सितंबर 2024 तक पूरे केरल में अनेक जगहों पर भव्यता के साथ संपन्न होती रहेगी। इन्हें देखने के लिए यहां देश-विदेश के लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

गीत-संगीत-खेल की जुगलबंदी

'चुंडनवल्लम' या 'स्नेक बोट' वास्तव में फुंफकारते सांप सी दिखने वाली एक लंबी पारंपरिक डोंगी शैली की नाव होती है, जो अमूमन 100 से 120 फीट तक लंबी होती है। इन नौकाओं पर 4 नाविक-गायकों के समूह से लेकर 100-125 नाविक-गायक तक सवार हो सकते हैं। नौका दौड़ के दौरान, नाविक नदी या बड़ी-बड़ी झीलों में बहुत तेज गति से नाव भगाते हैं। इस दौरान उन नावों पर सवार गायक और नाविक, केरल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत में 'वंचिपट्टू' यानी सामूहिक लय वाला नौका गीत गाते हैं। यह गायन नाविकों का उत्साह बढ़ाने के लिए होता है। इस नौका दौड़ में गायक और नाविक अकसर एक ही होते हैं, इसलिए कोई नाविक, नाव चलाते (खेते हुए) हुए अगर महसूस करता है कि उसकी तरफ का गीत-संगीत कमजोर हो रहा है, तो वह कोई वाद्य बजाने लगता है। इसी तरह जरूरत पड़ने पर कोई कलाकार गाना या बजाना छोड़कर, चप्पू थामकर नाव चला सकता है, ताकि प्रतिद्वंद्वी नाव से उसकी नाव पीछे ना रहे। इस दौरान गीत-संगीत और खेल की जुगलबंदी देखते ही बनती है।

सदियों पुरानी परंपरा

केरल में सर्पिल नौका दौड़ के आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा है। माना जाता है कि करीब 400 सालों से केरल में स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जा रहा है। इसके शुरू होने के पीछे एक प्रसिद्ध किंवदंती यह है कि प्राचीनकाल में विभिन्न रियासतों के राजा, एलेप्पी (अलप्पुझा) और उसके आस-पास के इलाकों के जलमार्गों का इस्तेमाल, एक-दूसरे के विरुद्ध लड़ने के लिए करते थे। इन जलयुद्धों के दौरान वे एक-दूसरे पर भारी पड़ने के लिए सटीक हल्की और पानी को तीव्रता से काटने वाली डोंगीनुमा नावों का इस्तेमाल किया करते थे, जिनका अगला सिरा फुंफकारते सांप के फन जैसा बनाया जाता था और इसे खूंखार दर्शाने के लिए इसे लाल, काले और गेरुए रंग से रंगते थे। धीरे-धीरे ये जलयुद्ध तो खत्म हो गए, लेकिन बेहतरीन नाव वास्तुकारों के द्वारा बनाई गई स्नेक बोट बची रहीं, जिनके चलते इस आधुनिक स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जाने लगा। इसके जरिए लोगों ने सालों में विकसित हुई इस कुशलता की परंपरा को बरकरार रखा और रेस के जरिए हार-जीत के रोमांच को भी इसमें शामिल कर लिया। इस तरह धीरे-धीरे हर साल मानसून के महीनों में जून के अंतिम या जुलाई के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर तक सर्प नौका दौड़ों और बेहतरीन सांस्कृतिक संगीत के आयोजन की परंपरा शुरू हो गई।

विशिष्ट होते हैं चार आयोजन

वैसे तो पूरे केरल में जगह-जगह स्थानीय सर्प नौका दौड़ आयोजित होती हैं। लेकिन जिन चार सर्प नौका दौड़ों को केरल सहित पूरी दुनिया में बहुत उत्सुकता से देखा और इंतजार किया जाता है, वे हैं- चंपाकुलम सर्प नौका दौड़, नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस, अरनमुला स्नेक बोट रेस और पयिप्पड़ जलोत्सवम। मानसून की शुरुआत में सबसे पहले चंपाकुलम नौका दौड़ शुरू होती है। यह सबसे प्राचीन और लोकप्रिय स्नेक बोट रेस है। इस स्नेक बोट रेस में, अंबलप्पुषा के श्रीकृष्ण मंदिर में भगवान की मूर्ति की स्थापना का जश्न मनाया जाता है। इस जश्न के दौरान 25 किलोमीटर की यह सर्प नौका दौड़ भी आयोजित की जाती है, जो एलेप्पी से शुरू होकर चंपक्कुलम नदी में चंगनास्सेरी तक जाती है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक उमड़ते हैं। इसके अलावा नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस का आरंभ 1952 में हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पुन्नमदा झील में आयोजित इस रेस को देखने आए थे। तभी से यह नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस आयोजित की जा रही है। तीसरी मशहूर स्नेक बोट रेस अरनमुला की है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दो दिवसीय धार्मिक उत्सव की परंपरा शामिल है। यह त्रिवेंद्रम से 116 किलोमीटर दूर आयोजित होती है। चौथी स्नेक बोट रेस, पयिप्पड़ जलोत्सवम है। यह भी एलेप्पी से 35 किलोमीटर दूर संपन्न किया जाता है।

इस तरह मानसून के दौरान पूरे केरल में चारों तरफ स्नेक बोट रेस का रोमांच दिखाई पड़ता है। *

उत्साह से हिस्सा लेते हैं स्थानीय लोग

लहराते ताड़ के पेड़ों, नदियों, झीलों, आवासीय परिसरों के पीछे शांत बैक वाटर्स और इस तरह की विविध जलराशियां, जो पूरे केरल में हर ओर बिखरी हुई हैं, उन सबमें मानसून के आते ही सर्प नौका दौड़ की रौनक और उत्साह नजर आने लगता है। अपनी सांस्कृतिक आयोजन की धरोहर को संजोने के लिए स्थानीय लोग पूरे उत्साह-उमंग से इसमें हिस्सा लेते हैं। केरल का अनेक गांव के निवासी इस मौके पर अपनी शक्ति और संगीत परंपरा में दक्षता साबित करने के लिए अपनी-अपनी नावों के साथ इस सर्प नौका दौड़ में शामिल होते हैं और इससे बहुत गर्व महसूस करते हैं। मानसून के आते ही पूरे केरल में स्नेक बोट रेस की मस्ती और धूम छा जाती है। पिछले कुछ दशकों से इस मस्ती और उत्सव का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न कोने सहित विदेश से भी लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

मनी मैटर्स

शैलेंद्र सिंह

क्रेडिट स्कोर तीन अंकों की एक ऐसी संख्या है, जो आज की तारीख में हमारे फाइनेंसियल स्टेटस और क्रेडेबिलिटी का पैमाना बन चुका है। अगर आप क्रेडिट कार्ड या लोन लेना चाहते हैं तो क्रेडिट स्कोर के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए।

फाइनेंसियल क्रेडेबिलिटी का क्राइटेरिया है क्रेडिट स्कोर

आज की तारीख में आप चाहे निम्न मध्यवर्ग के हों, मध्यवर्ग के हों या उच्च मध्यवर्ग के। किसी भी वर्ग के हों, लेकिन बिना बाजार से लोन लिए प्रायः जिंदगी सहजता या कहें सभी सुख-सुविधाओं से नहीं चलती। आज जिंदगी का चक्र कुछ इस तरह का हो गया है कि लोन के दरवाजे से होकर गुजरना ही पड़ता है। चाहे बच्चों को पढ़ाना हो, चाहे घर बनाना हो, चाहे सोशल स्टेटस के लिए कार खरीदनी हो, घर सजाना हो, बिजनेस करना हो या कुछ भी ऐसा काम, जिसमें एक ठीक-ठाक पूंजी की जरूरत होती है, वह पूंजी अब हमें आसानी से लोन के जरिए महज कुछ शर्तों पर उपलब्ध हो जाती है। लेकिन यह सुविधा उन्हीं के लिए बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

गुड क्रेडिट स्कोर के फायदे: बैंक और वित्तीय कंपनियों की नजर में जो अच्छे उधार लेने वाले हैं यानी उधार लेने के बाद समय पर किस्त चुकाते हैं, बिना मतलब की कोई बाधा नहीं खड़ी करते, लोन चुकाने में आना-कानी नहीं करते, जल्दी से जल्दी कर्ज चुकाने की कोशिश में लगे रहते हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की नजर में ऐसे लोग अच्छे सिबिल स्कोर या बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले और ईमानदार कर्ज लेने वाले होते हैं। ऐसे ही लोगों को बैंक और वित्तीय संस्थान बार-बार कर्ज देना चाहते हैं।

क्या है गुड-बैड क्रेडिट स्कोर: भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो मिलकर किसी का क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें एक है इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआईएफ हाईमार्क। ये चार ब्यूरो किसी भी व्यक्ति के पुनर्भुगतान, लिए गए लोन की उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और कर्ज लेने की हिस्ट्री को देखकर उसका क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। वास्तव में क्रेडिट स्कोर 300 से 900 अंकों के बीच की संख्या होती है। इस संख्या में अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 है तो यह अच्छा माना जाता है। 700 से ऊपर है तो और अच्छा माना जाता है और अगर 800 या उसके पार है तब तो बहुत अच्छा माना जाता है। आपका जितना अच्छा क्रेडिट स्कोर होगा, बैंक आपको उतने ही कम ब्याज दर पर कर्ज देने का प्रस्ताव देंगे और जितना कम क्रेडिट स्कोर होगा, आपको उतनी ही ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज मिलेगा। अगर आपका क्रेडिट स्कोर उच्चतम श्रेणी यानी 760 से 850 के बीच में है तो आपसे लोन देने वाला अधिकतम 3.307 प्रतिशत ब्याज ले सकता है। मतलब यह कि आरबीआई के रेपो रेट से आपको 3.307 प्रतिशत और ब्याज दर देनी होगी। मान लीजिए रेपो रेट 3.5 प्रतिशत है तो आपको बैंक कुल 6.3 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण दे देंगे। लेकिन जिसका स्कोर सिर्फ 300 से 500 के बीच होता है, उन्हें अव्वल तो लोन नहीं मिलता, बहुत मुश्किल से अगर मिलता भी है, तो काफी महंगी दरों पर मिलता है।

कैसे बनाएं अच्छा क्रेडिट स्कोर: अब सवाल है कि आखिर बेहतर क्रेडिट स्कोर या बेहतर सिबिल स्कोर कैसे बनाएं? बेहतर क्रेडिट स्कोर के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का बिल समय से भरें। अगर कोई मासिक लोन की किस्त चल रही है तो उसे ना सिर्फ नियमित रूप से दें बल्कि समय पर दें। ऐसा ना करने पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां आपके क्रेडिट स्कोर को कम कर देती हैं। क्रेडिट स्कोर बेहतर बनाए रखने के लिए लोन से जुड़े आवेदन बार-बार ना करें। यदि आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो उसका उचित इस्तेमाल करें। अगर लोन चुकाने में असमर्थ हैं तो सेटलमेंट या समझौता कभी ना करें, इससे तात्कालिक तौर पर आपको राहत मिल जाती है, लेकिन इससे क्रेडिट स्कोर बहुत लंबे समय तक प्रभावित रहता है। *

क्लासिक पोंप डोर

मेल जोन / विवेक कुमार

एक सुटेबल-परफेक्ट हेयर स्टाइल, आपको आपकी वास्तविक उम्र से 10 साल कम का दिखा सकती है। पुरुषों के लिए ऐसी ही पांच हेयर स्टाइल्स के बारे में जानिए।

यंग लुक के ट्रेंडी हेयरस्टाइल्स

अपनी रियल एज से कम का दिखना अधिकतर लोगों की चाहत होती है। ऐसे लुक के लिए आपकी हेयरस्टाइल भी बहुत मायने रखती है। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अट्रैक्टिव अंडरकट: पिछली सदी में 70 का दशक हो, 90 का दशक हो या मौजूदा दशक हो। पुरुषों का यह आकर्षक हेयरस्टाइल 'अंडरकट' बार-बार लौटकर आता है। खासकर थोड़े लंबे पुरुषों में तो यह हेयर कट एक ही शख्स की पर्सनालिटी अलग-अलग एंगल से अलग-अलग दिखाने लगता है। आपको शायद पता ना हो कि यह हेयर स्टाइल 125 साल पुराना है। साल 1900 में पहली बार यह हेयरस्टाइल जर्मनी में कुछ पुरुषों ने अपनाया था, फिर वहां से अमेरिका पहुंचा और देखते ही देखते सारी दुनिया में छा गया। अंडरकट एक एवरग्रीन हेयरकट ऑप्शन है। फुटबॉल प्लेयर डेविड बेकहम से लेकर क्रिकेटर विराट कोहली तक इसे आजमाते रहते हैं।

क्लासिक क्विफ: यह भी काफी पुराना हेयरस्टाइल है। इससे पुरुषों के बाल घने दिखते हैं, क्योंकि किनारे छोटे दिखते हैं और जैसे-जैसे बाल ऊपर चलते हैं, बड़े होते रहते हैं या कम से कम इतने कि कंघी किया जा सके। भारतीय क्रिकेट टीम के बैट्समैन सूर्यकुमार यादव अकसर क्लासिक क्विफ में दिखते हैं। एक जमाने में रिकी पोंटिंग और रणवीर सिंह भी यह हेयरस्टाइल अपनाते थे। इसके लिए आपको कुछ हेयर वैक्स की आवश्यकता होती है। दरअसल, क्लासिक क्विफ एक ऐसा हेयर स्टाइल है, जिसने एक जमाने में पश्चिम में 'कल्ट' की हैसियत हासिल कर लिया था। क्योंकि इसे एल्विस प्रेसली जैसे सुपरस्टार कैरी करते थे। एल्विस के साथ रॉक बिली भी इस स्टाइल के दीवाने थे। बाद में एक लंबे समय तक यह संगीतकारों, विशेषकर युवा संगीतकारों का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया। इससे बाल पॉलिश किए गए लगते हैं।

क्लासिक पोंप डोर: यूरोप में यह 1990 में और भारत में 2010 के बाद काफी लोकप्रिय हुआ। हालांकि भारत के पड़ोस, नेपाल में यह हेयर स्टाइल भारत से करीब एक दशक पहले आ गया था। किनारों और पीछे से छोटे ऊपर के बाल लंबे अंडाकार सिर में तो यह बहुत ही खास लगते हैं। अगर आपके बाल घुंघराले हैं तो भी यह स्टाइल आपके लिए खास है, लेकिन अगर सीधे और लहरदार हैं तो भी यह स्टाइल आप पर सूट करेगा। इसमें कंघी करना या यूं ही ढीला और स्टाइलिश छोड़ देना सब चलता है।

क्रू कट: पुरुषों के हेयरस्टाइल में इस स्टाइल का भी जवाब नहीं। यह वास्तव में मल्टी डायमेंशनल स्टाइल है, क्योंकि यह बूढ़ों को भी पसंद है और जवानों को भी, साथ ही टीनएजर भी इसे आजमाते हैं। इसके चलते सिर के पीछे के बाल बेहद छोटे होते हैं, साइड में छोटे होते हैं, सिर्फ खोपड़ी के 20 फीसदी हिस्से में ही बाल होते हैं। मानो हर जगह से बाल कटने के बाद यह स्टाइल पूरी कर दी गई हो। आजकल ये कैजुअल हेयरस्टाइल है, जो महिलाओं को काफी पसंद है। इसलिए भी पुरुष इसे कैरी करते हैं। क्रू कट के साथ यही अच्छी बात है कि इसे एक अच्छी जॉब करने वाला भी कैरी कर सकता है और दिनभर आम लोगों के बीच घूमने वाला व्यक्ति भी।

आर्मी कट: आर्मी कट को बज कट भी कहते हैं। यह भी बेहद आकर्षक, पुराना और एनर्जेटिक हेयर स्टाइल है। ज्यादातर देशों की सेना अपने जवानों के बालों को लेकर सजग रहती हैं। वह उन्हें बड़े बाल नहीं रखने देतीं, जिससे कि वे बेतरतीब और अस्त-व्यस्त ना दिखें। बज कट बहुत आसान कट भी है। इसे इलेक्ट्रिक क्लिपर्स के साथ प्रॉप किया जाता है और बालों को तेज और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सैलून की नियमित यात्रा करनी होती है, कम से कम हर एक महीने बाद। *

बॉलीवुड फिल्में

डी.जे.नंदन

हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से वर्ष 2024 की पहली छमाही बहुत अच्छी नहीं रही। इस दौरान बिग स्टार्स की फिल्में तो कई रिलीज हुईं लेकिन उनमें से कुछ ही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से हिट रहीं। जनवरी से जून तक रिलीज्ड फिल्मों के कलेक्शन पर एक नजर।

फर्स्ट हाफ ईयर-2024 हिट हुईं कम-फ्लॉप हुईं ज्यादा

कारोबार के लिहाज से बॉलीवुड के लिए साल 2024 की शुरुआत खट्टी-मीठी रही है। इस दौरान कुछ फिल्में तो हिट रहीं लेकिन ज्यादातर अपनी लागत भी नहीं निकाल पाईं।

जनवरी: 12 जनवरी 2024 को कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'मैरी क्रिसमस', जिसकी लागत 50 करोड़ रुपए थी, फ्लॉप रही। यह महज 18 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर सकी। करीब यही हाल पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म 'मैं अटल हूं' का भी रहा। 25 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह फिल्म बमुश्किल 7 करोड़ रुपए भी नहीं कमा सकी। 'बॉलीवुड मूवी रिव्यूज डॉट कॉम' वेबसाइट के मुताबिक इसकी कमाई कुल 6.4 करोड़ रुपए रही। इस तरह यह फिल्म भी सुपरफ्लॉप रही। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई रितिक रोशन-दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' हिट रही। 225 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने कुल 325 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

फरवरी: साल का दूसरा महीना फरवरी भी कुछ ऐसा ही रहा। 23 फरवरी 2024 को यामी गौतम और प्रियामणि स्टारर फिल्म 'आर्टिकल 370' जिसकी लागत 40 करोड़ रुपए थी, देश में ही इसने 70 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इस फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 110 करोड़ रुपए रहा। इसी महीने आई फिल्म 'क्रैक' सुपरफ्लॉप साबित हुई। विद्युत जामवाल और जैकलीन फर्नांडिस स्टारर फिल्म 'क्रैक' की कॉस्ट करीब 80 करोड़ रुपए थी। लेकिन पूरे देश में इसका कलेक्शन 13 करोड़ रुपए भी नहीं हो सका। इससे भी ज्यादा बुरा हाल इस महीने रिलीज कई छोटी-छोटी फिल्मों का रहा। मसलन, भूमि पेंडनेकर और संजय मिश्रा की 'भक्षक', सतीश कौशिक और राज बब्बर की 'मिर्ग', अनुपम खेर और गुरु रंधावा की 'कुछ खट्टा हो जाए', ये सब फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता ही नहीं चला। हां, इस माह जो एक और फिल्म अच्छी चली, वह शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर 'तेरी बातों में ऐसा उलझा' रही। इसकी लागत महज 65 करोड़ रुपए थी और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 170 करोड़ रुपए से भी ज्यादा रहा।

मार्च: अब अगर मार्च 2024 में आई ज्यादातर फिल्में, चाहे वो 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' हो, रवीना टंडन और सतीश कौशिक स्टारर 'पटना शुक्ला' हो, देवोलीना भट्टाचार्य और सोहेला कपूर स्टारर 'बंगाल 1947' हो, इन सबका बुरा हाल रहा। इस महीने अपनी लागत निकालने वाली फिल्मों में रणदीप हुड्डा और अंकिता लोखंडे स्टारर 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' और कुणाल खेमू डायरेक्टेड 'मडगांव एक्सप्रेस' रहीं। बाकी सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पाटनी स्टारर 'योद्धा' भी फ्लॉप रही, जो 55 करोड़ रुपए की लागत में बनी थी लेकिन 35 करोड़ रुपए भी नहीं वसूल कर पाई। इसी महीने रिलीज्ड तब्बू और करीना कपूर स्टारर 'क्रू' जरूर सफल रही, जो 60 करोड़ रुपए की बजट में बनी और वर्ल्डवाइड करीब 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस तरह देखें तो पहले तीन महीने का रिपोर्ट कार्ड ठीक-ठाक रहा। जनवरी से मार्च 2024 के बीच आधा दर्जन से ज्यादा फिल्मों के बिजनेस से बॉलीवुड के कारोबार को बूम मिला।

कल्कि 2998 एडी

फाइटर

अप्रैल: अब अगर अप्रैल से जून की बात करें तो कलेक्शन बेहतर होने के बजाय और बदतर हुआ। लोकसभा चुनाव, बोर्ड एग्जाम और आईपीएल के कारण कई सारी फिल्में बिना चर्चा के आईं और आकर चली गईं।

मैदान

बड़े मियां-छोटे मियां

मसलन, विद्या बालन और प्रतीक गांधी की 'दो और दो प्यार', श्रेयस तलपड़े और तनिषा मुखर्जी की 'लव यू शंकर', जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर की 'तेहरान', आयुष शर्मा और सुश्री मिश्रा की 'रुस्लान', मौनी रॉय-तुषार कपूर की 'लव सेक्स और धोखा-2' और राजपाल यादव-जिया मानेक की 'काम चालू आहे' जैसी फिल्मों की कोई खास चर्चा नहीं हुई। हां, इस महीने इम्तियाज अली डायरेक्टेड, परिणति चोपड़ा-दिलजीत दोसांझ स्टारर पंजाबी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की जरूर धूम रही। अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ स्टारर 'बड़े मियां-छोटे मियां' बुरी तरह फ्लॉप रही। यही हाल अजय देवगन और प्रियामणि स्टारर 'मैदान' का भी रहा।

मई: बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से मई का हाल और बुरा रहा। इस महीने में प्रतीक गांधी की 'डेढ़ बीघा जमीन', राजकुमार राव-जान्हवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही', अनिल कपूर-दिव्या खोसला कुमार की 'सावी: ए ब्लडी हाउस वाइफ', दीपक तिजोरी और अलंकृता सहाय की 'टिप्पसी' भी असफल रहीं। इस महीने राजकुमार राव की 'श्रीकांत', मनोज वाजपेयी की 'भैय्या जी' और श्रेयस तलपड़े की 'कर्तम भुगतम' ही ऐसी फिल्में रहीं, जो अपनी लागत निकाल सकीं।

जून: जून 2024 की बात करें तो अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टारर 'कल्कि 2998 एडी' बाहुबली जैसी कल्ट फिल्म साबित हुई। कमाई के लिहाज से भी और दर्शकों को अपनी तरफ खींचने के लिहाज से भी। 'कल्कि' ने महज 7 दिनों में 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। इस महीने आई 'मुंज्या' भी कलेक्शन और दर्शकों की पसंदगी के लिहाज से चौंकाने वाली रही। जबकि 'शर्मा जी की बेटी', 'रौतु का राज', 'इश्क-विश्क रिबाउंड', 'हमारे बारह', 'मनिहार' और 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों में से सिर्फ 'हमारे बारह' ही अपनी लागत निकालने भर की कमाई कर सकी। इस तरह देखा जाए तो मार्च के बाद अप्रैल, मई और जून में बॉलीवुड के कारोबार में पहले तीन महीनों जितनी चमक नहीं रही।

कुल मिलाकर साल 2024 के पहले छह महीनों में कमाई कम, नुकसान ज्यादा हुआ है। लेकिन जिस तरह से 'कल्कि' ने दर्शकों को रोमांचित किया, उससे लगता है कि अगले छह महीने में आने वाली कई बड़ी फिल्में बॉलीवुड के बेहतर बिजनेस की उम्मीदें पूरा करेंगी। *